राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 12 मई 2024 वर्ष–7,अंक–108 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पाकिस्तान ड्रोन फिर आया नजर, जवानों ने की फायरिंग

-वापस सीमा में भागा, तलाश अभियान शुरु

बिश्नाह। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को बीएसएफ जवानों ने गोलीबारी कर दी। दो दर्जन से ज्यादा राउंड फायरिंग के बाद भी ड्रोन पाकिस्तानी सीमा में वापस चला गया। बीएसएफ ने तलाश अभियान शुरु कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बीएसएफ के जवानों ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तान की ओर से ड्रोन की आवाजाही सुनाई दी और दो दर्जन राउंड फायरिंग की। फायरिंग के बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा की ओर चला गया। इसके बाद शनिवार सुबह रामगढ़ सेक्टर के नारायणपुर में बोर्डेट चौकी क्षेत्र को साफ करने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया गया है जिससे यह पता लगाने की कोशिश की कि ड्रोन के जरिए किसी हथियार या नशीले पदार्थ की तस्करी न की गई हो। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तान की अशरफ अली पोस्ट से भारत की नारयण पोस्ट की तरफ ड्रोन को प्रवेश करने का प्रयास करते हुए देखा। इसके बाद जवानों ने उस पर फायरिंग की, जिसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तान चला गया। इससे पहले भी पाक रेंजरों की इस नापाक हरकत को बीएसएफ जवानों ने नाकाम कर पाकिस्तानी ड्रोनों को वापस भागने पर मजबूर कर दिया था।

करतारपुर कॉरिडोर को फीस मुक्त करने पाक से करेंगे बातः जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पंजाब और अमृतसर में रहने वाले लोगों को यकीन दिलाया है कि करतारपुर कॉरिडोर को फीस मुक्त करने के लिए वह पाकिस्तान सरकार से बात करेंगे। साथ ही उन्होंने वीजा शर्तों में ढील का आश्वासन भी दिया है। जयशंकर शुक्रवार को बीजेपी उम्मीदवार तरनजीत सिंह संधू के नामांकन पत्र दाखिल करवाने के बाद एसजी ठाकर सिंह आर्ट गैलरी में प्रबुद्ध वर्ग से मुलाकात के दौरान उनके सवालों का जवाब दे रहे थे। जयशंकर ने मुलाकात के दौरान पंजाब और पंजाबियत की तारीफ की तो साथ ही अमृतसर में रोजगार, तरक्की और विकसित भारत की छुपी अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धार्मिक, कृषि और सामरिक रूप से समृद्ध अमृतसर को जहां होना चाहिए वह आज वहां नहीं है। हमारी सरकार इसके लिए पूरे प्रयास कर रही है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रावलकोट में पाक सेना और पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर भारतीय झंडा फहराया गया। पाकिस्तान ने रॉ को दोषी ठहराया क्योंकि अन्यायपूर्ण करों को लेकर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ पीओके में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव भी किया। वहीं, ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने अपनी मांगों को लेकर आज पीओके के मुजफ्फराबाद में विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। जिसके मद्देनजर राज्य सरकार ने सीएएफ और पंजाब पुलिस की टुकड़ियों की मांग की है। राज्यों ने बाहर से सेना तैनात करने और स्थिति से सख्ती से निपटने की योजना बनाई है, जिसके चलते प्रदर्शनकारी भड़क उठे। ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेताओं ने फैसला किया है कि आज की घटना को बलपूर्वक विफल करने की सरकार की किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

बृजभूषण का ऐलान, आरोप साबित हुए.....फांसी पर लटक जाऊंगा

गोंडा । महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय हो गया है। अब मामले में मुकदमा चलेगा। लेकिन टिकट कटने के बाद बेटे करन भूषण के लिए चुनावी तैयारी में जुटे बृजभूषण के तेवर बरकरार हैं। उन्होंने खुला ऐलान करते हुए कहा कि अगर आरोप साबित हुए तब वे फांसी पर लटक जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक भविष्य पर कहा कि मेरे साहबजादे चुनाव लड़ रहे हैं। जीतने पर फिर बात होगी। दरअसल मीडिया से बातचीत में बृजभूषण ने कहा, यह न्यायिक प्रक्रिया है। इसमें चार्जशीट के कुछ हिस्से को कोर्ट ने छोड़ा है और कुछ को स्वीकार किया है। मामले में अब मुझे भी जिरह, बहस और प्रमाण रखने का मौका मिलेगा। इसमें कुछ नया नहीं है। मैं इसे सवा साल से झेल रहा हूं। यह मामला गंभीर नहीं है, यह झूठा आरोप है। अगर आरोप साबित हुआ तब मैं सीधे फांसी पर लटक जाऊंगा। वर्तमान में मेरे साहबजादे चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव जीत जाने दीजिए फिर बात होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा बृजभूषण शरण पर चार्ज फ्रेम होने के बाद उनका बड़ा बयान सामने आया है। कुल मिलाकर चार्ज फ्रेम होने के बाद भी सांसद के सुर नहीं बदले हैं और विश्नोहरपुर आवास पर जनता दर्शन के दौरान सांसद बृजभूषण मीडिया से बात कर रहे थे। गौरतलब है कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने सांसद पर 6 मामलों में से एक में बरी कर दिया है। इसके पहले बृजभूषण ने अपने आगे की राजनीति अपने आगे के कदम को लेकर कहा कि होइहै वही जो राम रचि राखा। मेरे सामने ही बेटा सफल हो रहा है, यह खुशी की बात है।

केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री मंदिर के खुले कपाट...लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

पीएम मोदी ने कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं को दी बधाई

देहरादून ।

अक्षय तृतीया के मौके पर शुभ मुहूर्त में केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही चारधाम यात्रा का भी श्रीगणेश हो गया। कपाटोद्घाटन के मौके पर मंदिरों और श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होने पर बधाई दी। केदारनाथ धाम भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ के मंदिर के कपाट सबसे पहले सुबह सात बजे खोले गए। इस मौके पर हजारों भक्तों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी सपत्नी मौजूद रहे।हालांकि सुबह चार बजे से ही मंदिर परिसर में दर्शन पंक्ति में यात्रियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। केदारनाथ मंदिर में प्रतिदिन दर्शन के लिए अधिकतम श्रद्धालु संख्या 18 हजार तय है पर, पहले दिन करीब 29 हजार भक्तों ने दर्शन किए। पहले दिन बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी अपने परिजनों के साथ बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। यमुनोत्री धाम यमुनोत्री मंदिर के कपाट भी शुक्रवार को अक्षय तृतीय के पर्व पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके पहले शुक्रवार सुबह मां यमुना की उत्सव डोली शीतकालीन प्रवास खरसाली (खुशीमठ) से अपने भाई शनिदेव की अगुवाई में यमुनोत्री धाम पहुंचीं। रोहिणी नक्षत्र की बेला पर वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ तीर्थ पुरोहितों की मौजूदगी में मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। यमुनोत्री में पहले दिन कुल 12193 भक्तों ने दर्शन किए। गंगोत्री धाम चारधाम में से एक गंगोत्री मंदिर के कपाट भी शुक्रवार को खुले। धाम के कपाट दोपहर 12.25 बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले दिए गए। इस मौके पर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा...आज उत्सव का दिन है। सभी को बाबा केदार के कपाट खुलने का इंतजार रहता है। मैं बाबा केदार से चारधाम के दर्शनों के लिए आने वाले हर श्रद्धालु की यात्रा मंगलमय होने की प्रार्थना करता हूं। वहीं देवभूमि उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा कि बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह छह बजे वृष लग्न में खोले जाएंगे। इससे पूर्व शुक्रवार को जोशीमठ स्थित श्री नृसिंह मंदिर में पूजा हुई। यहां से भगवान विष्णु के वाहन गरुड़, शंकराचार्य की आराध्य गद्दी और गाडू घड़े को पुष्पवर्षा के साथ धाम को रवाना किया गया।

कंधमाल में बोले पीएम मोदी

कांग्रेस को नहीं मिलेगा विपक्ष का दर्जा

कंधमाल। ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए आज कहा कि 26 साल पहले आज के दिन वाजपेयी सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। उस दिन भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य का परिचय करवाया था, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की सोच बार-बार लोगों को डराने का काम कर रही है।

अरविंद केजरीवाल का दावा कि मोदी जी फिर जीते तो योगी आदित्यनाथ को सत्ता से बाहर कर देंगे। अरविंद केजरीवाल का दावा कि मोदी जी फिर जीते तो योगी आदित्यनाथ को सत्ता से बाहर कर देंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिशंकर अय्यर के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग कहते हैं कि संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। यह मरे पड़े लोग देश के मन को भी मार रहे हैं। कांग्रेस का हमेशा ऐसा ही रवैया है। आज पाकिस्तान के ऐसे हालत हैं कि वे परमाणु बम बेचने के लिए निकले हैं। कांग्रेस के इसी कमजोर रुख के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 60 साल तक आतंक की आग में झुलसना पड़ा। देश ने इतने आतंकी हमले झेले हैं, जो देश भूल नहीं सकता। 26/11 के मुंबई हमले के बाद इनकी हिम्मत नहीं हुई कि वे आतंकवाद के सरपरस्त पर कार्रवाई करें। गौरतलब है कि एक दिन पहले कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि वो भी एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है।

50 के नीचे सिमट जाएगी कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आज कांग्रेस को दो टूक कहूंगा कि भारत के मुसलमान, कोई इधर-उधर जाएगा ऐसा मानने की कोशिश न करें। कांग्रेस के शहजादे आए दिन बयानबाजी कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को विपक्ष का नेता बनाने के लिए लोकसभा की कुल संख्या का 10 फीसदी चाहिए। कांग्रेस वाले कान खोलकर सुन लें। कांग्रेस इस देश में मान्य विपक्ष भी नहीं बन पाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस इस बार 50 सीटों से नीचे सिमट जाएगी।

पीएम मोदी के खिलाफ मैदान में आए अजय राय ने भरा नामांकन

वाराणसी ।

वाराणसी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय ने जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राय बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर साइकिल से हजारों कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन करने पहुंचे। वाराणसी में प्रधानमंत्री और सांसद नरेन्द्र मोदी के मुकाबले राय तीसरी बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राय ने 2014 और 2019 लोकसभा चुनाव में भी मोदी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार के तौर चुनाव लड़ा था और दोनों बार तीसरे स्थान पर रहे थे।कांग्रेस नेता राय वाराणसी जिले से पांच बार विधानसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। वाराणसी लोकसभा सीट पर 2014 के लोकसभा चुनाव में दूसरे स्थान पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 2019 में समाजवादी पार्टी की शालिनी यादव रहीं थीं। इस बार सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। वाराणसी में सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा। नामाकंन से पहले कांग्रेस नेता राय ने कहा कि काशी का बेटा और काशी का लाल, काशी की जनता के साथ नामांकन करने जा रहा है। राय ने कहा, मोदी सरकार में जनता बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त है। जनता अपने गाड़ी में पेट्रोल डीजल भरवाने में असमर्थ है। इसकारण अब जनता के पास साइकिल से चलने का ही विकल्प बचा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सवारी भी साइकिल है।

यह राम मंदिर, भक्ति और आध्यात्म की हमारी गौरवशाली परंपरा का जीता जागता प्रतीक : धनखड़

अयोध्या ।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अयोध्या में प्रभु रामलला की भव्य प्रतिमा के दर्शन किए। दर्शन से अभिभूत उपराष्ट्रपति ने पोस्ट किया, यह मंदिर, भक्ति और आध्यात्म की हमारी गौरवशाली परंपरा का जीता जागता प्रतीक है। आज जब हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में ताकत से अग्रसर है, तब प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद भारत भूमि पर बना रहे, यही प्रार्थना है। उन्होंने कहा यह मौका मेरे और मेरे परिवार के लिए, मेरे दिल, मेरे दिमाग और आत्मा को एक साथ एकत्र करता है। हमारे संविधान के भाग तीन में श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण का चित्र अंकित है। उन्होंने मंदिर निर्माण में लगे कारीगरों तथा श्रमिक कर्मियों के योगदान का अभिनंदन किया। इसके पहले उपराष्ट्रपति ने अपनी संक्षिप्त धार्मिक यात्रा की शुरुआत प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर से की और सपरिवार रामभक्त हनुमान के दर्शन किए। उन्होंने कहा साहस, शक्ति और भक्ति के प्रतीक बजरंगबली के चरणों में शीश नवाकर तन-मन प्रसन्नता और ऊर्जा से भर गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कुबेर टीला में कामेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की और भक्ति एवं साहस के प्रतीक पक्षीराज जटायु के दर्शन किए। अपनी अयोध्या यात्रा के अंत में उपराष्ट्रपति ने सपरिवार सरयू नदी के दर्शन किए और आरती की। इस अवसर कर उन्होंने कहा कि सरयू नदी अनादि काल से भारतीय सभ्यता तथा सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न हिस्सा रही है, यह दिव्य अनुभव अगाध आध्यात्मिक शांति प्रदान करने वाला है। इस अवसर पर हरिवंश नारायण सिंह, राज्यसभा उपसभापति, सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, उत्तर प्रदेश, पी. सी. मोदी, राज्यसभा महासचिव, चंपत राय, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव उपस्थित थे।

मल्लिकार्जुन खडगे़ बोले-

बेरोजगारी और गरीबी से त्रस्त है जनता

पटना।

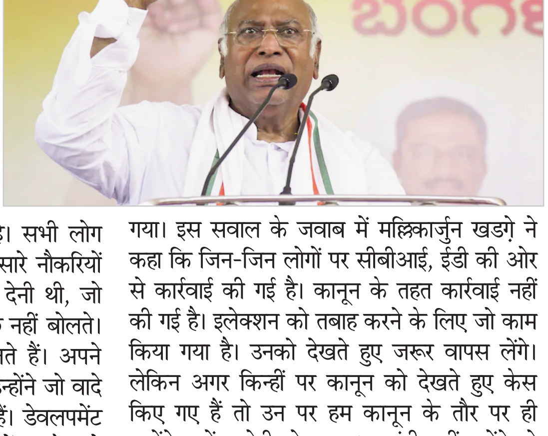

मल्लिकार्जुन खडगे़ ने कहा कि शुक्रवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में प्रचार कर रहा था। पीएम मोदी के लिए सरकार बना पाना अब अत्यंत मुश्किल है। शुक्रवार को पीएम मोदी और कांग्रेस दोनों की पब्लिक रैली थी। इसके बाद लगा कि भाजपा के खिलाफ जनता में बहुत बड़ा आक्रोश है। बेरोजगारी, गरीबी इतनी बढ़ रही है कि सामान्य जनता उसमें सह नहीं पाती है। सभी लोग परेशान हैं कि मोदी जी ने पहले बहुत सारे नौकरियों के वादे किए थे। 20 करोड़ नौकरियां देनी थी, जो नहीं दे पाए हैं। अब उसके बारे में कुछ नहीं बोलते। महंगाई के बारे में वह कुछ नहीं बोलते हैं। अपने भाषण में कहीं भी जिक्र नहीं करते हैं। उन्होंने जो वादे किए थे, उस पर कुछ बात नहीं करते हैं। डेवलपमेंट में उन्होंने क्या किया। पिछले 10 साल में उसके बारे में वह बात नहीं करते।

सरकार बनेगी तो कानून के तहत कार्रवाई

मोदी सरकार में कई मुख्यमंत्री को जेल में भेजा गया। इस सवाल के जवाब में मल्लिकार्जुन खडगे़ ने कहा कि जिन-जिन लोगों पर सीबीआई, ईडी की ओर से कार्रवाई की गई है। कानून के तहत कार्रवाई नहीं की गई है। इलेक्शन को तबाह करने के लिए जो काम किया गया है। उनको देखते हुए जरूर वापस लेंगे। लेकिन अगर किन्हीं पर कानून को देखते हुए केस किए गए हैं तो उन पर हम कानून के तौर पर ही चलेंगे। नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे तो क्या राहुल गांधी बनेंगे। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेता मिलकर जो निर्णय लेंगे, वही इस देश का प्रधानमंत्री बनेगा।

किसी को उम्मीद नहीं थी......चुनाव के बीच जेल से बाहर आऊंगा: केजरीवाल

केजरीवाल व्यक्ति नहीं एक सोच है, उसे कैद में नहीं रख सकते : मान

नई दिल्ली ।

दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले से जुड़े केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिल गई है। सीएम केजरीवाल ने शनिवार को सबसे पहले कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। दर्शन करने के बाद सीएम केजरीवाल ने कहा कि किसी को उम्मीद नहीं थी कि मैं चुनाव के बीच जेल से छूटकर आऊंगा। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, संदीप पाठक, संजय सिंह, आतिशी मार्लेना, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन, एनडी गुप्ता भी मौजूद रहे।

सीएम अरविंद ने कहा, अभी-अभी मैं, मेरी पत्नी और भगवंत मान कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर गए थे। हमारी आम आदमी पार्टी एक छोटी सी पार्टी है। हम दो राज्यों में हैं। 10 साल पुरानी पार्टी है, लेकिन हमारी पार्टी को कुचलने और खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई।

केजरीवाल ने कहा कि एक साथ हमारी पार्टी के चार शीर्ष नेता जेल में भेज दिए गए। बड़ी-बड़ी पार्टियों के चार टॉप नेता अगर जेल चले जाएं तब पार्टी खत्म हो जाती है। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने सोचा की पार्टी खत्म हो जाएगी, लेकिन यह पार्टी नहीं यह एक सोच हैज्यह बढ़ जाती है। 75 साल में किसी पार्टी और उसके नेता को प्रताड़ित नहीं किया गया, जितना आप और उसके नेताओं को प्रताड़ित किया गया। साल 2015 में हमारी पार्टी ने अपने एक मंत्री को खुद सीबीआई के हवाले किया था। पंजाब में पता चला कि मेरा एक मंत्री पैसे मांग रहा है। हम लोगों ने उस मंत्री को उठाकर जेल में भेज दिया।

इस मौके पर पंजाब के मुखे यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि केजरीवाल देश के सबसे लोकप्रिय नेता बन चुके हैं। उन्‍होंने कहा, ‘उनके साथ जो हुआ पूरे देश ने देखा। उसी सिलसिले में पीसी रखी थी, लेकिन ये पीसी लग नहीं रही हैज्यह एक रैली बन गई है। दिल्ली के क्रांतिकारी लोगों का धन्यवाद जो संकट के समय में चट्टान की तरह खड़े रहे। मैं जहां गया वहां मैंने कहा केजरीवाल एक व्यक्ति नहीं सोच है। सीएम मान ने कहा, केजरीवाल फिर बैटिंग करने के लिए उसी पिच पर आ गए हैं, जिसपर वह थोड़ी देर के लिए रिटायर्ड हर्ट हुए थे। पंजाब से खुशखबरी दे रहा हूं। पंजाब में 13 लोकसभा सीट हैं और एक कुरुक्षेत्र है। पंजाब से बीजेपी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा। पंजाब में हम 13 में से 13 सीटें जीत रहे हैं। जेल के ताले टूट गए, केजरीवाल छूट गए। किसी सोच को आप कैद नहीं कर सकते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

केजरीवाल को राहत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देकर प्रथम दृष्टया चुनाव और लोकतंत्र का महत्व बढ़ाया है। शीर्ष अदालत ने पूरी सुनवाई के बाद उन्हें 1 जून तक रिहाई दी है। देश में मतदान का आखिरी चरण 1 जून को संपन्न होगा और 2 जून को उन्हें समर्पण करना होगा, वह फिर जेल जाएंगे। इसका सीधा अर्थ है कि चुनाव के बचे हुए कम से कम तीन चरणों में केजरीवाल ठीक से चुनाव प्रचार कर पाएंगे। बेशक, आम आदमी पार्टी में एक नए जोश का संचार होगा और विपक्षी गठबंधन को भी मजबूती मिलेगी। हालांकि, यह अंतरिम जमानत सशर्त है। रिहाई के इन 21 दिनों में वह मुख्यमंत्री का कोई कर्तव्य नहीं निभाएंगे। वह मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय नहीं जाएंगे। अपने इस मुकदमे के बारे में चर्चा नहीं कर पाएंगे। सबसे बड़ी बात, वह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉंड्रिंग मामले में अपनी भूमिका के बारे में भी कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद अनेक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि चुनाव प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी के पास मुद्दों का अभाव नहीं है। अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के दो मुख्य आधार हैं। पहला आधार तो यही है कि मुकदमा नया नहीं है, पर गिरफ्तारी के समय को लेकर सवाल लाजिमी है। किसी भी पार्टी के प्रमुख या मुख्यमंत्री के लिए चुनाव प्रचार का विशेष महत्व होता है। किसी पुराने मामले में अगर ठीक चुनाव से पहले कार्रवाई शुरू होती है, तो संदेह की गुंजाइश बन जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस तथ्य को माना है और ईडी के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। अगर ईडी गिरफ्तारी के समय और जरूरत को न्यायोचित ठहरा पाती, तो दिल्ली के मुख्यमंत्री को 21 दिन की रिहाई नसीब नहीं होती। दूसरी बात, मुकदमा होने के बाद भी केजरीवाल मुख्यमंत्री थे और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, वह मुकदमे से जुड़े तथ्यों के साथ तब भी खिलवाड़ कर सकते थे, पर अदालत की नजरों में उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका लाभ उन्हें रिहाई के रूप में मिला है। सर्वोच्च न्यायालय ने साफ इशारा किया है कि अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है और केजरीवाल समाज के लिए खतरा नहीं हैं। इन तथ्यों की रोशनी में ईडी केजरीवाल की रिहाई का ठीक से विरोध नहीं कर सकी है। खैर, ईडी के पास अभी भी मौका है, उसे आगामी दिनों में पूरी तैयारी और अकाट्य साक्ष्यों के साथ अदालत में आना होगा, वरना एक मुख्यमंत्री को ज्यादा समय तक जेल में रखना गरिमामय नहीं है। खैर, अदालत में 2 जून को चाहे जो हो, आगामी 21 दिन केजरीवाल के लिए उतने ही अहम होंगे, जितने उनके विरोधियों के लिए। विशेष रूप से दिल्ली और पंजाब में अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता या प्रासंगिकता से भला कौन इनकार कर सकता है? अगर इन दोनों राज्यों में आम आदमी का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो इससे दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी अपनी बात मजबूती से रखने का आधार मिलेगा। लोकतंत्र में बहुत हद तक जनता ही फैसला करती है, किसी दागी को किनारे लगाने की बात हो या सत्ता सौंपने की बात, जनादेश के बाद ही व्यवस्था को आगे बढ़ने या ठिठक जाने का इशारा मिलता है। बेशक, यह एक विरल मामला है, जब जेल में बंद एक मुख्यमंत्री या नेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत का लाभ दिया गया है, पर यह समग्र भारतीय राज्य की उदारता का नवीनतम प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष – व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क – आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला – आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक – आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर – पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सीमांत गांवों के विकास से टूटेंगे चीन के मंसूबे

ले. जनरल प्रदीप बाली (अ.प्रा.)

इतिहास को मनमाफिक गढ़ना और भौगोलिक हकीकतों से छेड़छाड़ चीन की प्रवृत्ति रही है। यह उसकी आधिपत्यवादी प्रवृत्ति और मंसूबों को सुहाता है। इसके लिए, उसे वास्तविकता से परे के तथ्यों को गढ़ने की जरूरत पड़ती है। चीन अक्सर भारतीय भूमि के कई हिस्सों पर अपना दावा ठोकता आया है, पिछले कई सालों से अक्सर अरुणाचल प्रदेश में बस्तियों और भूभाग का नाम बदलने में उसे खुशी महसूस होती है। चीनी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2017 में गढ़े नामों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें छह जगहों का जिक्र था। फिर 15 नये नामों वाली दूसरी सूची 2021 में आई, 2023 की सूची में 11 जगहों का नाम बदला हुआ था। भौगोलिक नाम बदलने के इस खेल में चौथी और नवीनतम सूची 1 अप्रैल, 2024 को जारी की गई है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश की 30 और जगहें शामिल की गई हैं। खुद अरुणाचल प्रदेश का नाम चीनियों ने 'ज़गनान' रखा हुआ है। उम्मीद के मुताबिक भारत ने कड़े प्रतिरोध के साथ इस नौटंकी को खारिज किया है। इस कृत्य के समांतर वास्तविक नियंत्रण रेखा के उत्तर में सीमांत इलाकों को विकसित करने की आड़ में चीन शियाओकांग नामक रिहायशी बस्तियां समूची सीमा रेखा के ठीक बगल में स्थापित कर रहा है। पिछले सालों में लगभग 600 ऐसे गांव बसाए जा चुके हैं और 'विकास कार्यक्रम' के तहत और 175 बस्तियां बनाने की योजना है। बिना शक यह सारी प्रक्रिया चीन के इलाकाई दावों को पुष्ट करने और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का अतिरिक्त सहायता तंत्र बनाने के मकसद से है। यहां चीन 'कानूनी रणनीति' का कपटी खेल भी खेल रहा है। भारत के साथ 'सीमा रक्षा सहयोग संधि-2005' के मुताबिक जब कभी वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा की निशानदेही होगी तो पूर्व-स्थापित आबादियों को नहीं छेड़ा जाएगा। चीनी रणनीति का यह रंग-ढंग अन्य मुल्कों से सीमा विवादों में भी झलकता है। जापान प्रशासित सेन्काकु द्वीप को दियाओऊ नाम देकर, चीन उसे अपना हिस्सा बताने का दावा करता आया है। सर्वविदित है कि चीन की तथाकथित 'नौ-बिंदु सीमारेखा' समस्त दक्षिणी चीन सागर में उसके इलाकाई दावों को मजबूत बनाने का एक पैंतरा है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, खासकर 'संयुक्त राष्ट्र सागरीय कानून अधिवेशन' के प्रावधानों का। दावेदारी की यह रेखा ब्रुनेई के विशेष निर्यात क्षेत्र, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ताईवान और वियतनाम के इलाकों का अतिक्रमण करती है। चीन समुद्र में कंक्रीट डालकर छोटे द्वीपों और उभरी चट्टानों को बड़े टापुओं में तब्दील कर रहा है। इन मानव-निर्मित भौगोलिक द्वीपों का निर्माण करने के पीछे उद्देश्य है सैन्य लाभ सुदृढ़ करना और अपने पड़ोसियों को जताना कि भिड़ने पर भविष्य में क्या हो सकता है। भौगोलिक और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने की छूट लेने की उसकी यह प्रवृत्ति भूटान में 2017 में स्पष्ट जाहिर हुई, जब चीन की पीएलए ने डोकलाम पठार को झम्पेरी रिज तक कब्जाने का यत्न किया। इसने भारत को क्रोधित किया क्योंकि यह अतिक्रमण हमारी रक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाता है। तभी भारतीय सेना को यह कब्जा आमने-सामने के टकराव से फिल करना पड़ा। किसी इलाके का अतिक्रमण कर उसका 'बधियाकरण' करने का एक उदाहरण तिब्बत है, जिसे चीन ने 1951 ने कब्जाया था और 1959 में पूर्ण नियंत्रण बना लिया। चीनी शासकों ने दिखावे को 'तिब्बत सार्वभौमिक क्षेत्र' की स्थापना की है, जिसे आमतौर पर 'राजनीतिक तिब्बत' कहा जाता है और इसका क्षेत्रफल शेष तिब्बत से कहीं छोटा है। ऐतिहासिक रूप से, जनजातीय तिब्बत में तीन मुख्य इलाके हैं-यूत्सांग, खाम और अम्दो। वर्ष 1955 में अम्दो का विलय किंगहाई प्रांत में कर दिया और 1957 में खाम कोगांज़े सार्वभौमिक प्रदेश के साथ मिला दिया गया। इसी प्रकार तिब्बत के बाकी जनजातीय इलाकों का विलय गनसू और युनान प्रांतों में कर डाला। वास्तव में, मूल तिब्बत राज्य में अब सिर्फ यू-त्सांग क्षेत्र ही 'राजनीतिक तिब्बत' है। वर्ष 1911 और 1951 के बीच, तिब्बत चीनी गणतंत्र के मंसूबों से कमोबेश मुक्त रहा। अम्दो में 14वें दलाईलामा का जन्म हुआ और उनके अंगरक्षक खाम इलाके से हैं, जिन्हें तिब्बतियों की लड़ाकू जाति के तौर पर जाना जाता है। चीन ने साथ लगते और बहुत ज्यादा जनसंख्या के बोझ तले दबे हान प्रांत से चीनी मूल के लोगों को तिब्बत के विभिन्न हिस्सों में बसाकर अंदरूनी जनसंख्या स्थानांतरण करवाया है। अधिकांश सीमांत गांव समूची वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा के ठीक साथ सटाकर बनाए गए हैं, जिनमें लगभग सभी 'हान' हैं। इन चीनी प्रवासियों को वहां बसने-रहने की एवज़ में काफी आर्थिक लाभ दिए जाते हैं-और तिब्बत का जातीय स्वरूप बदलने में यह मुख्य अवयव है। चीन की धूर्त रणनीति के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया बेपरवाही से लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने तक ही रही है। नाम बदलने के नवीनतम खेल पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया बेहद सधी रही। 9 अप्रैल को पूरबी अरुणाचल प्रदेश में एक जनसभा में उन्होंने कहा ः 'मैं अपने पड़ोसी को बताना चाहता हूं कि नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कल को यदि हम चीन के राज्यों का नाम बदल दें तो क्या वह उन्हें हमें सौंप देगा?' चीन से हमारे सीमा संबंधी मुद्दे द्विपक्षीय चिंताओं वाले रहे हैं। तथापि, पिछले कुछ समय से, अमेरिका भारत की पीठ पर हाथ रख रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने हाल ही में बयान दिया ः 'भारत के इलाकों का नाम बदलना चीन का काम नहीं है और वे भारतीय भूभाग का हिस्सा हैं', यह स्वागतयोग्य कदम है। पूरब में देखें तो शंघाई सहयोग संगठन में चीन के विकृत दावों ने तीखी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया पैदा की है। चाहे यह क्वाड संघ हो (जिसमें भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं) या ऑस्ट्रेलिया, यूके एवं अमेरिका से बना ऑकस संघ या फिर अमेरिका, जापान, फिलीपींस का त्रिकोणीय गुट, इन सबका ध्यान शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में चीनी मंसूबों का विरोध कर वैधानिक विश्व-व्यवस्था बनाने पर केंद्रित है। भारत को चीन द्वारा ऐतिहासिक-भौगोलिक तथ्यों से छेड़छाड़ के प्रयासों का प्रत्युत्तर शिद्दत और निरंतरता से देने की जरूरत है। हमें इन मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा और चीनी दावों के विरोध में लिखित प्रतिरोध करना होगा। वर्ना उन्हें तथ्य के तौर पर स्वीकार कर लिया जाएगा। सीमावर्ती इलाके में हमारी तरफ की भौगोलिकता अत्यधिक दुरूह है और भूभाग अधिकांशतः तीखा पर्वतीय या घना जंगल है। यह हाल ठीक वास्तविक नियंत्रण रेखा तक है। अपने इलाके में हमें बुनियादी ढांचा विकसित करने का काम निरंतर जारी रखना होगा। सीमा सड़क संगठन इस चुनौती से पार पाने में प्रयासरत है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग का उद्घाटन भारत की वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा को लेकर तैयारियों को बल देगा। हालांकि यह काम बहुत विशाल स्तर का है और हमें तीखी ऊंचाइयों पर काम करने की सामर्थ्य बढ़ानी होगी।

लोगों का सीमांत इलाके से पलायन रोकने को हमें सीमा पर गांव बसाने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए आर्थिक लाभ की पेशकश और तेज गति की संचार व्यवस्था बनाना पहला कदम है। जहां सेना इन कामों में मददगार हो सकती है, वहीं इस सबके लिए नीतियां बनाना राजनीतिक नेतृत्व का कार्यक्षेत्र है। सबसे ऊपर, जो भारतीय नागरिक सीमावर्ती इलाके में बसे हैं उनकी संवेदनशीलता को सदा ज़हन में रखना आवश्यक है।

लेखक सैन्य मामलों के स्तंभकार हैं।

स्वास्थ्य रक्षा में सबसे महत्वपूर्ण है नर्सों का योगदान

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) पर विशेष)

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 204वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट में खुली ईडी की कलई

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ईडी के वकीलों के तमाम विरोध के बावजूद अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी है। जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा जांच के नाम पर किस तरह से राजनीतिक दलों के नेताओं को जेलों में बंद करके रखा जा रहा है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में उजागर हो गया। न्यायपालिका की भूमिका भी अब स्पष्ट रूप से खुलकर सामने आ गई है। जांच एजेंसियां यदि अपने अधिकारों का दुरुपयोग करती हैं। ऐसी स्थिति में संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्चता दे रखी है। ताकि वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन न कर सकें। पहली बार ईडी को सुप्रीम कोर्ट में मात खानी पड़ी है। ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सभी न्यायाधीश पीएमएल कानून के तहत जो शक्तियां ईडी को मिली हैं, उन शक्तियों का जिस तरह से दुरुपयोग किया गया है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के सामने खुलकर सामने आ गया है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी किस तरह से कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं। दो-दो साल तक आरोपियों को जेल में बंद रखते हैं। तारीख पर तारीख और चार्ज सीट पर चार्ज सीट का जो खेल खेल रहे हैं। आरोपियों को अपनी कस्टडी में रखकर उनसे मनचाहा बयान दबाव बनाकर लेते हैं। किस तरह लोगों को फंसाते हैं। किस तरह से उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं। सरकार के राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किस तरह से इस कानून का दुरुपयोग किया गया है। यह बात अब खुलकर सामने आ गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग उनके वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने नहीं की थी, बल्कि अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट इसलिए गए थे, कि केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कानून और नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की है। उन्होंने अवैध गिरफ्तारी के विरोध में अपनी सारी बहस को सीमित रखा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सामने सारे खुलासे किये। शराब घोटाले में किस तरह से आम आदमी पार्टी और उनके प्रमुख नेताओं के खिलाफ कई वर्षों से जांच चल रही है। सैकड़ों छापे डाले गए। जिन लोगों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जा रही थी, उनके बयान कस्टडी में रखकर जबरिया लिए गए हैं। लंबे समय तक जेल में जिन आरोपियों को रखा गया। जिन लोगों ने बयान दिए थे। जिनके बयान पर आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उनके एक राजनीतिक दल के साथ रिश्ते और चुनावी चंदा तक की बातें सुप्रीम कोर्ट में आईं। किस तरह केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने तथ्यों को छुपाया है। एक के बाद एक सुप्रीम कोर्ट में इसका खुलासा होता चला गया। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्त की खंडपीठ ने इस सारे मामले को जब अच्छे तरीके से समझ लिया। तब जाकर अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत 1 जून तक के लिए दी है। अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लोकसभा का चुनाव चल रहा है। ऐसी स्थिति में उनका चुनाव कार्य में भाग लेना, कितना आवश्यक है। यह सुप्रीम कोर्ट ने समझा, पहली बार ईडी के वकीलों की आपत्ति को दरकिनार करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पक्ष में न केवल अंतिम जमानत का फैसला दिया है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कह दिया है, कि यदि इस तरीके की अवैध गिरफ्तारी की गई है तो हम इस मामले में जल्द ही निर्णय लेंगे। जिस तरह से सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की सभी आपत्तियों को संविधान पीठ ने दरकिनार करते हुए फैसला सुनाया है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट तथा न्यायपालिका की विश्वसनीयता और सर्वोच्चता को लेकर लोगों के मन में एक विश्वास जागा है। कानून के राज में सभी कानून से बंधे हैं। चाहे वह न्यायपालिका हो, जांच अधिकारी हो, सरकार हो या नागरिक हों। सभी को नियम और कानून का पालन करना अनिवार्य है। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारी नियम और कानून को दरकिनार करते हुए मनमानी कर रहे हैं। तो इस पर रोक लगाने और पीड़ित पक्ष को न्याय देने का काम न्यायपालिका का ही है। न्यायपालिका इस मामले में भले देर से निर्णय कर पाई है, लेकिन इस निर्णय से सरकार और जांच एजेंसी के अधिकारी यदि नियमों के विरुद्ध कोई कार्य करते हैं। तो न्यायपालिका, नागरिकों के मौलिक अधिकारों और कानूनी अधिकारों को सुरक्षित रखने का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका ने अपनी भूमिका का निर्वहन जैसे इस मामले में किया है, उससे लोगों के मन में कानून के प्रति निश्चित रूप से आस्था बनेगी। न्यायपालिका की सर्वोच्चता भी कायम रहेगी। यह एक बहुत अच्छा फैसला है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के बारे में राय बन रही थी, वह सरकार या सरकारी एजेंसियों के खिलाफ कोई फैसला नहीं करते हैं।

एसबीआई के शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

मुंबई । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) देश के प्रमुख बैंक में शामिल है। यह देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। इसके ग्राहकों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा है। एसबीआई एफडी समेत निवेश से जुड़ी कई स्कीम चलाता है। बैंक एफडी पर अधिकतम 7.60 फीसदी का ब्याज दे रहा है। वहीं सेविंग्स अकाउंट पर 3 फीसदी तक का सालाना ब्याज मिलता है। अगर एसबीआई के शेयर की बात करें तो इसने एक साल में बैंक की सभी स्कीम के मुकाबले कहीं ज्यादा रिटर्न दिया है। एसबीआई की स्कीम में जहां सालाना अधिकतम 7.60 फीसदी का रिटर्न मिल रहा है, वहीं इसके शेयर ने पिछले 1 साल में 42.44 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल पहले एसबीआई के एक शेयर की कीमत 573.45 रुपये थी। आज इसकी कीमत 42.44 फीसदी बढ़कर 816.85 रुपये हो गई है। शेयर से मिलने वाले रिटर्न का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगर आप एसबीआई के शेयर में एक साल पहले 1 लाख रुपये निवेश करते तो आज यह रकम बढ़कर 1.42 लाख रुपये हो जाती। वहीं एफडी में अधिकतम 7.60 फीसदी रिटर्न के साथ यह रकम करीब 1.07 लाख रुपये ही रहती। ऐसे में आपको शेयर में 1 लाख रुपये निवेश करने पर एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करने के मुकाबले 35 हजार रुपये का ज्यादा फायदा होता।

मोशनल ने अमेरिका में 550 कर्मचारियों को बर्खास्त किया

सैन फ्रांसिस्को । ऑटोनॉमस व्हीकल टेक्नोलॉजी कंपनी मोशनल ने अमेरिका में लगभग 550 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्कर एडजस्टमेंट एंड रिट्रेनिंग नोटिफिकेशन (डब्ल्यूएआरएन) के अनुसार बर्खास्त कर्मचारियों में से लगभग 145 कर्मचारी पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग शहर में काम करते थे। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी कमर्शियल संचालन रोक रही है और रोबोटैक्सी सेवा शुरू करने की योजना में देरी कर रही है। मोशनल की हर एक टीम प्रभावित हुई है, जिसमें एक मुख्य परिचालन अधिकारी भी शामिल हैं। मोशनल के रिमोट वाहन सहायता प्लेटफॉर्म पर काम करने वाली टीम में भारी कटौती की गई है। मोशनल हुंडई मोटर ग्रुप और ऑटो पार्ट्स सप्लायर एप्टिव के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 641.59 अरब डॉलर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले तीन सप्ताह की गिरावट के बाद तीन मई को समाप्त सप्ताह में 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। इससे पहले, 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.41 अरब डॉलर घटकर 637.92 अरब डॉलर रहा था। यह कई सप्ताह की तेजी के बाद पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, तीन मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.46 अरब डॉलर बढ़कर 564.16 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 65.3 करोड़ डॉलर घटकर 54.88 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर बढ़कर 18.05 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 14 करोड़ डॉलर घटकर 4.49 अरब डॉलर रह गई।

पेट्रोल 12 और डीजल 9 रुपए होगा सस्ता!

इस्लामाबाद ।

महंगाई की मार का सामना कर रहे पो किस्तान के लोगों को जल्द ही एक बड़ी राहत मिलने वाली है। दरअसल, सरकार 16 मई से पेट्रोल और डीजल के दामों में कटौती करने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि पेट्रोल के दाम 12 रुपए तक कम हो सकते हैं। वहीं डीजल 9 रुपए तक कम हो सकते हैं। हालांकि अभी तक पाकिस्तान सरकार की ओर से इस संबंध में अधिकारिक जानकारी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान में कच्चे तेल की कीमतों में 6.32 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट आई है, जो लगभग 99.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। यहीं वजह है कि सरकार अब पाकिस्तान की जनता को राहत देने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि पेट्रोल के दाम 12 रुपए और डीजल 9 रुपए तक कम हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जुलाई 2023 से अप्रैल 2024 तक पेट्रोलियम पदार्थों की कुल बिक्री 12,443,000 मीट्रिक टन रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11 फीसदी कम है। अप्रैल में देश में 1,104,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 6 फीसदी और मार्च की तुलना में 4 फीसदी की कमी दर्शाती है।

आईएमएफ को कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता पर संदेह

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही वैश्विक वित्तीय निकाय ने नकदी की कमी का सामना कर रहे देश की कर्ज चुकाने की क्षमता पर संदेह किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के बारे में वाशिंगटन स्थित बैंक का आकलन ऐसे वक्त में आया है, जब आईएमएफ सहायता दल यहां अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए पहुंचा है। इस्लामाबाद ने विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) के तहत नए राहत पैकेज का अनुरोध किया था। आईएमएफ का दल इस अनुरोध पर चर्चा के लिए आया है। एक खबर के मुतो बिक इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान पर जारी अपनी स्टाफ रिपोर्ट में आईएमएफ के हवाले से कहा गया है कि कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता गंभीर जोखिमों के अधीन है, और यह नीतियों को लागू करने तथा समय पर बाहरी वित्तपोषण पर निर्भर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेष रूप से सुधारों को अपनाने में देरी, उच्च सार्वजनिक ऋण और सकल वित्त पोषण की जरूरतें और सामाजिक-राजनीतिक कारक - नीति कार्यान्वयन को खतरे में डाल सकते हैं।

एलआईसी का अप्रैल में प्रीमियम संग्रह 12,384 करोड़ रहा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का अप्रैल में प्रीमियम संग्रह 12,384 करोड़ रुपये रहा जो पिछले 10 वर्षों का सर्वाधिक मासिक संग्रह है। जीवन बीमा परिषद के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए एलआईसी ने कहा कि अप्रैल, 2024 में उसने कुल 12,383.64 करोड़ रुपये का प्रीमियम संकलित किया। यह अप्रैल 2023 में एकत्रित 5,810.10 करोड़ रुपये के प्रीमियम से 113.14 प्रतिशत अधिक है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय एलआईसी की नवीन विपणन रणनीतियों के साथ उसकी विश्वसनीयता तथा ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को दिया जा सकता है। व्यक्तिगत प्रीमियम श्रेणी के तहत एलआईसी ने अप्रैल में कुल 3,175.47 करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया जो अप्रैल 2023 के 2,537.02 करोड़ रुपये से 25.17 प्रतिशत अधिक है। इस महीने में समूह प्रीमियम 182.16 प्रतिशत बढ़कर 9,141.34 करोड़ रुपये हो गया, जो अप्रैल 2023 में 3,239.72 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह वृद्धि समूह वार्षिक प्रीमियम श्रेणी में 100.33 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है, जो अप्रैल 2023 के 33.36 करोड़ रुपये से बढ़कर अप्रैल 2024 में 66.83 करोड़ रुपये हो गई।

शेयर बाजार में दो दिन बढ़त, तीन दिन गिरावट रही

- सेंसेक्स 260 अंकों की बढ़त के साथ 72,664 पर बंद
- निफ्टी 97 अंक मजबूत होकर 22,055 पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में दो दिन बढ़त और तीन दिन गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों के मुतो बिक विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते लगातार तीन दिन गिरावट की मार झेल रहे घरेलू शेयर बाजार को सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को थोड़ी राहत मिली है। अक्षय तृतीया पर घरेलू दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी बाजार के लिए गोताखोर साबित हुए हैं और इन दोनों कंपनियों के शेयरों ने सेंसेक्स-निफ्टी को गिरावट से बाहर निकालने में अपनी ताकत दिखाई। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 235.82 अंकों की बढ़त के साथ 74,106.15 पर खुला और 17.39 अंकों की बढ़त के साथ 73,895.54 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 7.36 अंक ऊपर 22,483.20 पर खुला और 33.15 अंक टूटकर 22,442.70 पर बंद हुआ। सुस्त शुरुआत के बाद मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में बड़ी बिकवाली दिखी। शुरुआती कारोबारी सेशन के बाद बाजार में निवेशकों ने अपने करीब 5.49 लाख करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान सेंसेक्स 601 अंक फिसलकर 73,294 पर खुला और 383.69 अंक टूटकर 73,511.85 पर बंद हुआ। निफ्टी 85.75 अंकों की तेजी के साथ 22,561 के लेवल पर खुला है.और 140.21 अंक टूटकर 22,302.50 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 160.88 अंक फिसलकर 73,350.97 के स्तर पर खुला और 45.46 अंक टूटकर 73,466.39 पर बंद हुआ। निफ्टी 26.25 अंक फिसलकर 22,276.25 के स्तर पर खुला और 40 अंक फिसलकर 22,302.50 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 33 अंकों की बढ़त के साथ 73499 पर खुला और 1062.22 अंक या 1.45 फीसदी गिरकर 72,404.17 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 77 अंकों के नुकसान के साथ 22224 पर खुला। निफ्टी 77 अंकों के नुकसान के साथ 22224 पर खुला और 335.40 अंक या 1.5 प्रतिशत लुढ़क कर 21,967.10 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार में मामूली तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 121.18 अंक या 0.17 फीसदी चढ़कर 72,525.35 अंक पर खुला और 260.30 अंकों की बढ़त के साथ 72,664.47 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 52.30 अंक या 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,009.80 अंक पर खुला और 97.71 अंक मजबूत होकर 22,055.20 पर बंद हुआ।

गुणवत्ता खराब हुई तो मसाला कंपनियों का लाइसेंस होगा निरस्त!

- सरकार की सख्ती के बाद एफएसएसएआई ने जुटाए 1,500 से ज्यादा सैंपल

नई दिल्ली ।

सरकार ने मसालों की गुणवत्ता के बारे में शिकायतें आने के बाद सख्त रवैया अपना लिया है। एक आला अधिकारी ने बताया कि अगर मसाला बनाने वाली कंपनी डिब्बाबंद मसाला उत्पादों में कीटनाशकों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक रखी तो सरकार उसका लाइसेंद रद्द किया जा सकता है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देश भर से मसालों के 1,500 से अधिक नमूने एकत्र किए हैं। एफएसएसएआई फिलहाल इन नमूनों की जांच कर इनमें रसायन, सूक्ष्मजीव, माइक्रोटॉक्सिन्स, सूडान डाई और एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) सहित 234 कीटनाशकों की मात्रा का पता लगाने में जुट गई है। देश भर में एफएसएसएआई के 1,500 से अधिक परीक्षण केंद्र हैं।

अधिकारी ने बताया कि इन नमूनों की जांच रिपोर्ट 15 दिनों में आ जाएगी। खाद्य नियामक ने बाजार में उपलब्ध मसालों की गुणवत्ता परखने के लिए 25 अप्रैल को पूरे देश में मुहिम शुरू की है। इससे पहले हॉन्ग कॉन्ग में सेंटर फॉर फूड सेफ्टी और सिंगापुर फूड एजेंसी ने भारत के दो मसाला ब्रांडों एमडीएच और एवरेस्ट स्पाइसेस के मसाला उत्पादों में ईटीओ मौजूद होने का दावा किया था।

इन शिकायतों के बाद एफएसएसएआई ने यह कदम उठाया है। सूत्रों ने कहा कि नियामक ने मसाला बनाने वाली सभी कंपनियों से नमूने एकत्र किए हैं।

नियामक बाजार में उपलब्ध शिशु आहार के नमूने की भी जांच कर रहा है।

सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस जांच के नतीजे भी अगले 15 दिनों में मिल जाएंगे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार सुरक्षा आयोग (एनसीपीसीआर) ने एफएसएसएआई को बाजार में मिल रहे शिशु आहार में चीनी की मात्रा जांचने के निर्देश दिए हैं। स्विट्जरलैंड की एक गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) पब्लिक आई की एक रिपोर्ट आने के बाद सरकार ने यह फैसला लिया है।

लग्जरी घरों की बिक्री 5 साल में तीन गुना बढ़ी

नई दिल्ली । देश में महंगे मकानों की मांग में जोरदार तेजी देखी जा रही है। पिछले पांच साल में लग्जरी घरों की बिक्री सात फीसदी से तीन गुना बढ़कर 21 फीसदी पर पहुंच गई है। सस्ते मकानों की बिक्री 37 फीसदी से 17 फीसदी घटकर 20 फीसदी पर आ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल जनवरी-मार्च में शीर्ष सात शहरों में कुल 1.30 लाख घर बिके हैं। इनमें 27,070 मकान यानी 21 फीसदी लग्जरी रहे हैं। सबसे ज्यादा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 15,645 मकानों की बिक्री हुई है, जो कुल बिक्री का 39 फीसदी है। इनकी कीमत 1.5 करोड़ से पांच करोड़ रुपये के बीच रही है। 2024 की पहली तिमाही में शीर्ष-7 शहरों में लगभग 1,10,860 घर लॉन्च हुए। 28,020 मकान (25 फीसदी) लग्जरी थे। सिर्फ 19,980 यानी 18 फीसदी सस्ते वाले मकान थे। पांच साल पहले 2019 की समान अवधि में इन शहरों में 70,480 घर बने। तब सस्ते मकानों की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी। लग्जरी का सिर्फ 9 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना के बाद सस्ते मकानों की मांग कम हो गई। अब लोग बड़े घर तलाश रहे हैं। यही कारण है कि ऐसे मकानों की कीमतें भी बढ़ी हैं।

ओमेगा हेल्थकेयर को खरीदेगी ब्लैकस्टोन कंपनी

- 1.7 अरब डॉलर आंकी गई वैल्यूएशन

नई दिल्ली ।

अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी कंपनी ब्लैकस्टोन भी ओमेगा हेल्थकेयर को खरीदेगी। तकनीक के जरिये सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ओमेगा का मूल्यांकन 1.7 अरब डॉलर आंका गया है। ओमेगा में गोल्डमैन सैक्स ऐसेट मैनेजमेंट और एवरस्टोन कैपिटल की बहुलांश हिस्सेदारी है। इस पूरे मामले से अवगत सूत्र ने कहा कि ये दोनों ही कंपनियां अपनी हिस्सेदारी बेचना चाह रही हैं। ओमेगा में 27,000 नियमित कर्मचारी काम करते हैं। ब्लैकस्टोन, गोल्डमैन सैक्स, एवरस्टोन और ओमेगा हेल्थकेयर में से किसी ने भी इस मामले में कुछ कहने से इनकार कर दिया। गोपी नटराजन और अनुराग मेहता ने 2003 में अमेरिका में ओमेगा हेल्थकेयर की स्थापना की थी। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवाएं देने के मकसद से इस कंपनी की स्थापना की गई थी। कंपनी इस समय अमेरिका, भारत और फिलिपींस में कारोबार कर रही है।

इसके ज्यादातर कर्मचारी भारत में हैं। ब्लैकस्टोन ने भारत में अब तक 50 अरब डॉलर निवेश किए हैं। कंपनी भारत में निवेश और बढ़ाना चाहती है तथा उसकी नजर स्वास्थ्य, तकनीक, रियल एस्टेट और आधारभूत ढांचा क्षेत्रों पर है। कंपनी आने वाले वर्षों में भारत में 25 अरब डॉलर और निवेश करना चाहती है।

कंपनी ने हर साल 2 अरब डॉलर निवेश करने की योजना तैयार की है। ब्लैकस्टोन के आला अधिकारियों का कहना है कि भारत में प्राइवेट इक्विटी निवेश से उन्हें सबसे अधिक कमाई हुई है। इन अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन के बाद भारत उनके लिए निवेश के तीन शीर्ष ठिकानों में शुमार हो गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी भारत में निवेश के और मौके तलाश रही है।

सूत्र ने कहा कि ब्लैकस्टोन के अलावा ओमेगा को खरीदने की होड़ में कई अन्य कंपनियां भी शामिल हो सकती हैं। सूत्र ने कहा कि कुछ मौजूदा निवेशक अपना कुछ हिस्सा बनाए रख सकते हैं। हाल के कुछ महीनों में स्वास्थ्य एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक प्राइवेट इक्विटी कंपनियां काफी दिलचस्पी दिखा रही हैं।

न्यूयॉर्क की प्राइवेट इक्विटी कंपनी केकेआर ऐंड कंपनी ने 6 मई को कहा था कि वह स्वास्थ्य उपकरण बनाने वाली कंपनी हेल्थियम मेडटेक का अधिग्रहण करेगी।

अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी की बंपर खरीदी हुई

- सोना 73 हजार, चांदी 85 हजार से अधिक

नई दिल्ली ।

अक्षय तृतीया पर शुक्रवार को देशभर में सोने-चांदी की बंपर खरीद हुई। जिससे दोनों ही धातुओं की कीमत में जोरदार उछाल भी दिखा। दिल्ली सराफा बाजार में सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया तो चांदी 85 हजार से कहीं ऊपर पहुंच गई। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे भी सोने-चांदी में तेजी रुकेगी नहीं और साल के आखिर तक दोनों के भाव नई ऊंचाई पर होंगे। दिल्ली सराफा बाजार में शुक्रवार 10 मई को सोने की कीमत 950 रुपये की तेजी के साथ 73,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई. पिछले कारोबारी सत्र में यह 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,300 रुपये उछलकर 85,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 83,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोना 24 कैरेट 73,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा जो पिछले बंद भाव से 950 रुपये अधिक है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,360 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद भाव से 52 डॉलर मजबूत है। चांदी भी मामूली तेजी के साथ 28.60 डॉलर प्रति औंस पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 27.50 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी। अमेरिका में बेरोजगारी दावों के नवीनतम आंकड़ों से श्रम बाजार में सुस्ती के संकेत मिलने के बाद सोने में तेजी आई। इससे यह विश्वास बढ़ा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस वर्ष ब्याज दर में कटौती शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो आने वाले समय में सोने की मांग और बढ़ेगी, क्योंकि ब्याज नीचे आने पर लोग सोने पर ज्यादा दांव लगाएंगे।

मारुति सुजुकी ने की न्यू जनरेशन स्विफ्ट लॉन्च

-कीमत 6.49 लाख रुपये से शुरू

नई दिल्ली । भारत में मारुति सुजुकी ने न्यू जनरेशन स्विफ्ट को लॉन्च किया है। न्यू स्विफ्ट एसयूवी को 6.49 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर लाया गया है। इसके टॉप वैरिएंट की कीमत 9.65 लाख रुपये, एक्स-शोरूम तय की गई है। नई स्विफ्ट को कुल 9 तरह के एक्सटीरियर रंगों में लॉन्च किया गया है। इनमें सिंगल टोन और डुअल टोन दो तरह के रंग शामिल हैं। कंपनी ने दो नए कलर शेड- लस्टर ब्लू और नोवल ऑरेंज को भी लॉन्च किया है। नई मारुति स्विफ्ट की माइलेज भी सामने आ चुकी है जो इसके पुराने मॉडल से 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के मुताबिक, स्विफ्ट के मैनुअल वैरिएंट्स में 24.8 केएमपीएल और ऑटोमैटिक वैरिएंट्स में 25.75 केएमपीएल की माइलेज मिलती है। 2024 मारुति स्विफ्ट पांच वैरिएंट - एलएक्सआई, वीएक्सआई, वीएक्सआई (ओ), झेडएक्सआईद्ब और झेडएक्सआई प्लस में उपलब्ध होगी। इसमें नौ अलग-अलग पेंट विकल्प भी मिलेंगे, जिनमें मोनोटोन और डुअल-टोन दोनों विकल्प शामिल हैं। अगर फीचर्स की बात करें तो न्यू जनरेशन मारुति स्विफ्ट में अब कई नए फीचर्स मिल रहे हैं। कंपनी इसके सभी वैरिएंट्स में स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयर बैग दे रही है। इसके अलावा हिल होल्ड असिस्ट, थ्री पॉइंट सीट बेल्ट और नया सस्पेंशन सेटअप भी दिया गया है। 2024 स्विफ्ट के केबिन में अब पहले से बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है जो बलेनो और फ्रॉन्क्स से प्रेरित है।नई स्विफ्ट की लंबाई 3,860 मिमी, चौड़ाई 1,695 मिमी और ऊंचाई 1,500 मिमी है। यह अपने पुराने मॉडल की तुलना में 15 मिमी लंबी, 30 मिमी ऊंची और 40 मिमी चौड़ी है। हालांकि, इसका व्हीलबेस पुराने मॉडल जैसा ही है। न्यू जनरेशन स्विफ्ट में कंपनी ने नया झेड-सीरीज 1.2-लीटर, तीन-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया है जो 82 एचपी की पॉवर और 108 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

अब पैन-आधार वेरिफाई करेगा पोस्ट ऑफिस

- गड़बड़ी मिली तो नहीं कर पाएंगे निवेश

नई दिल्ली ।

पिछले साल 1 अप्रैल से पोस्टऑफिस की स्कीम में निवेश करने के लिए पेन और आधार की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में पोस्ट ऑफिस आपके परमानेंट अकाउंट नंबर (पैन) की वैलिडिटी को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ क्रॉस-चेक करके वेरिफाई करेगा। इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि आपका पैन आपके आधार कार्ड से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही आपने पोस्ट ऑफिस की स्कीम के लिए जो नाम और जन्मतिथि की जानकारी दी है, वह सही है या नहीं। इनमें कोई गड़बड़ी मिलती है तो आप इन स्कीम में निवेश नहीं कर पाएंगे। पैन वैरिफिकेशन सिस्टम प्रोटीन ई-जीओवी टेक्नोलॉजीस (पूर्व में एनएसडीएल) सिस्टम के साथ जुड़ा हुआ है। इस सिस्टम से मिले रिस्पॉन्स के आधार पर पेन को फिनाकिल में मान्य किया जाता है। यह व्यवस्था 30 अप्रैल, 2024 तक लागू थी। 7 मई को जारी डाक विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि पैन वैरिफिकेशन से संबंधित प्रोटीन सिस्टम को 1 मई, 2024 को संशोधित किया गया है। अगर आपने अभी तक भी अपना पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं कराया है, तो इसे फटाफट करा लें। ऐसे लोग जो 30 जून, 2023 की समयसीमा तक पैन-आधार लिंक नहीं करा सके हैं उन पर पेनल्टी लगाने की समयसीमा में आयकर विभाग ने ढील दी है। आयकर विभाग के मुताबिक, 31 मई तक आधार के साथ पैन को लिंक करा लेने पर टीडीएस की कम कटौती के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर नियमों के अनुसार करदाता को अपने पैन को अपने आधार नंबर के साथ लिंक करना होता है। अगर ये दोनों लिंक नहीं होते तो लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में उतरेगी कोहली की टीम

बेंगलुरू (एजेंसी)। लगातार चार मैच जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अपना दावा कायम रखने के लिए रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को दो बार हराने के अलावा पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। गुजरात और पंजाब से आरसीबी को कोई चुनौती नहीं मिली और सनराइजर्स को आरसीबी ने करीबी मुकाबले में हराया। दूसरी ओर दिल्ली के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव दिख रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम ने 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस पर दस रन से मिली जीत में चार विकेट पर 257 रन बनाये थे। तब 29 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी।

आरसीबी 12 मैचों में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है और आज का मैच हारने के बाद आरसीबी की उम्मीदें खत्म हो जाएगी। लगातार चार जीत और विराट कोहली के शानदार फॉर्म के दम पर उसके हौसले बुलंद हैं। कोहली ने इस सीजन में सर्वाधिक 634 रन बना लिए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 153 का रहा है। कोहली के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार, कैमरन ग्रीन और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छा पारियां खेली हैं। गेंदबाजों ने भी शुरुआती मैचों के औसत प्रदर्शन के बाद अपना काम बखूबी किया है। पिछले चार मैचों में मोहम्मद सिराज ने अपनी लय हासिल कर ली जबकि यश दयाल और स्पिनर स्वप्निल सिंह भी उपयोगी साबित हुए हैं। पंजाब के खिलाफ मैच के बाद सिराज और दयाल का इकॉनामी रेट इस सत्र में पहली बार दस के नीचे गया। इस सत्र में लग रहे रनों के पहाड़ के बीच इस बेहतर प्रदर्शन कह सकते हैं। इनकी परीक्षा दिल्ली के जैक फ्रेसर मैकगुर्क के सामने होगी जो 235.87 के स्ट्राइक रेट से सात मैचों में 309

रन बना चुका है। डेविड वॉर्नर ने सात मैचों में 135 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाये थे और चोट के कारण उनके बाहर होने के बाद मैकगुर्क खेल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने भी 157 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। कप्तान पंत और ट्रिस्टन स्टब्स ने अच्छी पारियां खेली है और आरसीबी के गेंदबाजों के सामने भी उनके लिए कठिन चुनौती होगी। गेंदबाजी में दिल्ली का पलड़ा भारी है। उसके पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर हैं, जो मिलकर 24 विकेट ले चुके हैं। उनका इकॉनामी रेट भी नौ से कम रहा है। तेज गेंदबाज खलील अहमद 14 और मुकेश कुमार 15 विकेट ले चुके हैं और दिल्ली को उनसे शुरुआती सफलताओं की उम्मीद होगी।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ः फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडगे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम करेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

दिल्ली कैपिटल्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, रसिख डार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

रोहित आईपीएल से लेंगे संन्यास या छोड़ेंगे मुंबई इंडियंस?

-वायरल वीडियो को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस टीम के रोहित शर्मा के लिए आईपीएल का 17वां सीजन अच्छा नहीं रहा। पहले तो उन्हें मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटा दिया गया। वहीं दूसरा यह इस बार उनकी टीम ने अपना प्रदर्शन भी अच्छा नहीं किया। जो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वहीं अब खबर आ रही है कि रोहित शर्मा आईपीएल से संन्यास लेने की तैयारी कर रहे हैं? या फिर मुंबई इंडियंस को छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं? ऐसी चर्चाएं एक वीडियो से शुरू हो गई हैं।

केकेआर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच से पहले एक वीडियो अपलोड किया था, लेकिन उसे बाद में डिलीट कर दिया। हालांकि, इसके बावजूद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में रोहित शर्मा ईडन गार्डंस में केकेआर के अभिषेक नायर के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। इस दौरान दोनों के बीच काफी बातचीत हुई, जो कि साफ सुनाई दे रही हैं। हालांकि, ये साफ नहीं है कि रोहित किस बारे में बात कर रहे हैं लेकिन केकेआर ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इस वीडियो को हटा दिया है। रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंपने के बाद मुंबई इंडियंस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। वहीं, हार्दिक पंड्या की कप्तानी में पहले सीजन में ही मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसके बाद से उन पर सवाल भी खड़े होने लगे। रोहित भी इस आईपीएल में कुछ खास नहीं कर सके हैं। उन्होंने अपनी 12 पारियों में 330 रन ही बनाए हैं। उन्होंने ने भी अपने फैंस को निराश किया है।

टी20 विश्व कप के लिए ओपनिंग विराट से कराओ: सौरव गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने कहा है कि टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए ओपनिंग विराट कोहली को करनी चाहिए। मालूम हो कि आईसीसी टी20 वर्ल्डकप 2024 के लिए काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

टी20 वर्ल्डकप के 9वें संस्करण का शुभारंभ अमेरिका और कनाडा के मैच से होगा। टीम इंडिया अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। स्टार क्रिकेटर की प्रशंसा करते हुए सौरव गांगुली ने कहा,÷ विराट सच में कमाल का खेल रहे हैं। पिछली नाईट विराट ने जो बल्लेबाजी की वो देखने लायक थी। उन्होंने जल्दी ही 90 रन बनाए। आपको उन्हें टी20 विश्व कप में ओपन करवाना चाहिए। उन्हें ओपन करना चाहिए ये उन्होंने पिछली कुछ इनिंग्स में कर के दिखाया है। भारत का स्क्वॉड काफी अच्छा है। बैटिंग में भी गहराई है साथ ही बॉलिंग खेमा भी शानदार नजर आ रहा है। गांगुली ने इससे पहले कहा था कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच फाइनल होगा। गांगुली ने कहा था सौरव गांगुली ने इस मेगा इवेंट पर बात करते हुए कहा,÷ इस टूर्नामेंट के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया सबसे बेहतरीन दो टीमें हैं। मैं श्योर हूं कि ये दोनों टीमें अमेरिका और वेस्टइंडीज में भी 2023 वाला कारनामा करेगी।भारत का स्क्वॉड काफी अच्छा है। सभी मैच विनर खिलाड़ी हैं। मुझे पता है रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने बेस्ट 15 खिलाड़ियों को चुना है।÷बता दें कि विराट कोहली आईपीएल के इस सीजन 12 पारियों में 634 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकल चुके हैं। विराट का औसत 70 से ज्यादा का रहा है।

प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने मैदान में उतरेगी चेन्नई सुपर किंग

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ की अपनी जगह मजबूत करने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स मैच में जीत दर्ज करने उतरेगी। मैच भारतीय समय अनुसार दोपहर बाद 3ः30 पर शुरू होगा। चेन्नई अभी 12 मैच में 12 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुक्रवार को हार के बाद उस पर दबाव बढ़ गया है और उसे अब अपने बचे दोनों मैच में जीत दर्ज

करना बहुत जरूरी हो गया है। दूसरी तरफ राजस्थान रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है लेकिन पिछले दो मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार ने उसका मनोबल गिरा दिया है।

राजस्थान की टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा नहीं है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई में नॉकआउट चरण से पहले जीत की राह पर लौट के लिए बेताब होगी। चेन्नई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सबसे बड़ी निराशा बल्लेबाजों अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड से मिली। यह तीनों बल्लेबाज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उसकी भरपाई करने उतरेंगे। डेरिल मिचेल और मोईन अली का अच्छा प्रदर्शन चेन्नई के लिए इस मैच में सकारात्मक पहलू रहा। टीम को शिवम दुबे से भी बड़े स्कोर की उम्मीद होगी।

चेन्नई सुपर किंग्स ने तुषार देशपांडे ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जबकि शार्दुल ठाकुर ने किफायती गेंदबाजी की लेकिन उसके अन्य गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार की जरुरत है। यह मैच सुपर किंग्स को अपने घरेलू मैदान पर इसका फायदा मिलेगा। जहां तक राजस्थान रॉयल्स का सवाल है टीम जीत के लिए मैदान में उतरेगी। उसकी चिंता सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नही रहा है।

यह सलामी बल्लेबाज विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने का प्रयास करेगा। कप्तान संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उन्हें रियान पराग, शुभम दुबे और रोवमैन पावेल से उम्मीद है। अनुभाई स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट हासिल किए थे और वह इसी प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेंगे। उनके साथ युजवेंद्र चहल की मौजूदगी राजस्थान को मजबूत बनती है। तेज गेंदबाजी आवेश खान हालांकि पिछले मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए थे जिसकी भरपाई वह इस मैच में करने का प्रयास करेंगे।

टीम

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरवेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोइन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रवींद्र जड़ेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, निशांत सिंधु, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश थीक्षाना, समीर रिज़्वी।

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, अवेश खान, रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नंद्रे बर्गर, तनुश कोटियन, केशव महाराज।

एंडरसन ने किया रिटायरमेंट का ऐलान

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। एंडरसन अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल

जुलाई के महीने में वेस्टइंडीज के खिलाफ क्रिकेट के मक्का लॉर्ड्स में खेलेंगे। यह टेस्ट मैच 10-14 जुलाई के दौरान होगा। 41 साल के एंडरसन ने साल 2003 में लॉर्ड्स में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। वह 187 टेस्ट मैचों में 700 विकेट ले चुके हैं। एंडरसन 700 टेस्ट विकेट के एवरेस्ट पर पहुंचने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। एंडरसन ने इस साल भारत के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट मैच में कुलदीप यादव को आउट करके 700 विकेट पूरे किए थे।

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सुर्खियों में है अभिषेक शर्मा

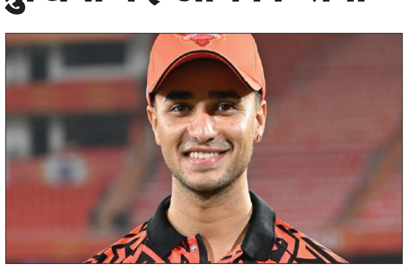

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा आईपीएल के 17वें सीजन में अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सुर्खियों में हैं। अभिषेक 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। लखनऊ के खिलाफ अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने शानदार चेज किया था और 10 ओवर के अंदर ही मैच को खत्म कर दिया था। उन्हें माता पिता से जुड़ी एक स्टोरी सुनाई थी। अभिषेक शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उनके माता पिता मैच देखने के लिए आने वाले थे। लेकिन मेरी गलती की वजह से ऐसा नहीं हो सका। अभिषेक ने कहा, ' मैं मैच के बाद अपनी मम्मी और पापा से बात कर रहा था। वो मैच देखने के लिए शामिल होने वाले थे। लेकिन दुर्भाग्य से मैंने उनकी टिकट हैदराबाद की जगह अमृतसर बुक कर दी थी।' अभिषेक शर्मा आईपीएल 2024 में 12 मैचों में 401 रन बना चुके हैं जिसमें 2 हाफ सेंचुरी शामिल है। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 205.64 रही है। अभिषेक का बेस्ट स्कोर नाबाद 75 रन रहा है जो उन्होंने लखनउ सुपर जॉयंट्स के खिलाफ बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने एलएसजी के खिलाफ 28 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्के जड़े थे। इस मुकाबले में उन्होंने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर रिकॉर्ड 167 रन की साझेदारी की। हैदराबाद ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर प्लेऑफ में अपनी दावेदार मजबूत कर ली है।

एक दशक में दो बार भारतीय टीम हाथ आया खिताब नहीं जीत पायी

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अगले माह होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप में खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगा देगी। इसका कारण है कि वह पिछले एक दशक से खिताब नहीं जीत पायी है। इस एक दशक में भी दो बार खिताब उसके हाथ के बेहद करीब आकर निकल गया। ये था साल 2014 का टी20 विश्वकप और 2023 एकदिवसीय विश्वकप। इन दोनो ही बार भारतीय टीम फाइनल में जाकर हारी। उससे पहले के सभी मुकाबले भारतीय टीम ने जीते थे। यहां तक कि तकरीबन सभी आंकड़े भी एक समान थे।

साल साल 2007 में चैंपियन बनने के अलावा भारतीय टीम 2014 के टी20 विश्वकप में फाइनल में पहुंची थी पर टीम को खिताबी मुकाबले में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्वककप 2014 और एकदिवसीय विश्वकप 2023 में कई समानताएं हैं। एकदिवसीय विश्वकप 2023 की तरह 2014 के टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम ने अपने विरोधियों के

खिलाफ सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी हालांकि फाइनल में खराब प्रदर्शन से उसे हार मिली थी।

टी20 विश्वकप 2014 और एकदिवसीय विश्वपक 2023 में भारतीय टीम ने फाइनल से पहले अपने सभी मैच आसानी से जीते थे। इन दोनों ही टूर्नामेंट के फाइनल से पहले भारतीय टीम कोई भी मैच नहीं हारी थी पर फाइनल में एक दिन के खराब प्रदर्शन से उसके हाथों से खिताब निकल गया था। दोनों ही टूर्नामेंट में भारतीय टीम का पाकिस्तान पर जीत के साथ-साथ फाइनल में मिली हार का अंतर एक समान था। टी20 विश्वकप 2014 में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था और 2023 विश्वकप में भी टीम इंडिया ने 'पड़ोसी देश' को इसी अंतर से हराया था। वहीं इसी प्रकार टी20 विश्वकप 2014 के फाइनल में भारत को श्रीलंका ने 6 विकेट से हराया था। वहीं विश्वप 2023 के फाइनल में भी भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने इतने ही अंतर से हराया था। दोनों ही टूर्नामेंटों में भारतीय टीम केवल फाइनल में ही हारी थी।

विराट कोहली इन दोनों ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। टी20 विश्वकप 2014 के 6 मैचों में तीन बार नाबाद रहते हुए विराट ने 106.33 के औसत और 129.14 के स?ट्राइक रेट से सबसे अधिक 319 रन बनाए थे। वहीं इसी प्रकार विश्वकप 2023 में उन्होंने 11 मैचों में तीन बार नाबाद रहते हुए 95.62 के औसत और 90.31 के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 765 रन बनाए थे। उनके 319 रन अब तक टी20 विश्वकप और 765 रन एकदिवसीय विश्वकप में किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर है। दोनों ही टूर्नामेंट में रोहित शर्मा शीर्ष पांच बल्लेबाजों में थे। रोहित ने टी20 वर्ल्डकप 2014 के छह मैचों में एक बार नाबाद रहते हुए 200 रन बनाए थे और रनों के मामले में चौथे नंबर पर रहे थे जबकि विश्वकप 2023 के 11 मैचों में 597 रन बनाकर वे विराट के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज रहे थे।

विराट अभी भी शीर्ष स्तर का खिलाड़ी ः मूडी

धर्मशाला। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है हालांकि पहले से उसमें अंतर आया है। मूडी के अनुसार विराट ने प्रतिबद्धता के बल पर आने वाली कमियों को किया। इसी कारण अपने दमदार स्लॉग स्वीप के जरिये वह बीच के ओवरों में भी स्पिनरों का अच्छी प्रकार से सामना कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 47 गेंद में 92 रन बनाये। इसके साथ ही शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए शशांक सिंह को अपने सीधे थ्रो से रन आउट भी किया। मूडी ने कहा, '' यह शानदार है। वह अब पहले की तरह वाला विराट कोहली नहीं है लेकिन अब वह 21 साल का भी नहीं है। वह 30 पार है पर अभी भी उसका प्रदर्शन बेहतरीन है।'' उन्होंने कहा, '' इस तरह का सीधा थ्रो फेंकना आसान नहीं है। यह असाधारण है।'' कोहली ने अब तक आईपीएल के इस सत्र में 12 मैचों में 634 रन बना दिया है।मूडी ने कहा, '' वह सिर्फ स्टार बल्लेबाज ही नहीं एक अच्छा क्षेत्ररक्षक भी है। उसने 92 रन की बेहतरीन पारी खेली और इतने समय बल्लेबाजी करने के बावजूद मैदान पर जबरदस्त क्षेत्ररक्षण भी किया। उसमें खेल का जुनून और गजब की उर्जा है।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल की लोकप्रियता

नई दिल्ली। देश में महिला फुटबॉल की लोकपियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जा रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

तीन साल बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे नीरज चोपड़ा पर होगी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा रविवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे लेकिन कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण चार दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता की चमक थोड़ी काम हो गई है। यहां 26 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल बाद पहली बार किसी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा।

इससे पहले चोपड़ा ने फेडरेशन कप में ही 21 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 में डायमंड लीग और 2023 में विश्व चैंपियन बने। उन्होंने चीन में एशियाई खेलों में अपने खिताब का भी बचाव किया था। चोपड़ा ने इस बीच डायमंड लीग के तीन व्यक्तिगत चरण भी जीते और 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया।

यह भारतीय खिलाड़ी हालांकि अभी तक 90 मीटर की दूरी को छूने में नाकाम रहा है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। यह स्टार खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटा है और उन्हें उम्मीद है कि वह ओलंपिक खेलों में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। उन्होंने इस सत्र की शुरुआत दोहा में डायमंड लीग से की जिसमें वह दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने लंबे समय बाद भारत में खेलने के संबंध में कहा,''मेरे लिए मेरा खेल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अगर मैं भारत में खेलता हूं तो यह मेरे प्रोफाइल के लिए अच्छा होगा। तोक्यो ओलंपिक से पहले मैं भारत में ही अभ्यास करता था लेकिन अभी मैं केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं। मैं बाद में भारत में अभ्यास करूंगा।''

गोला फेंक के एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर जैसे कुछ खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के यह क्वालीफाई करने या रैंकिंग अंक हासिल करने की कोशिश करेंगे। दोहा डायमंड लीग में नौवें स्थान पर रहे किशोर जेना भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। ऐसे में सभी की निगाहें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पर टिकी रहेंगी। भाला फेंक में क्वालीफाइंग राउंड 14 मई को और फाइनल 15 मई को होगा।

एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़), ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक) और हरमिलन बैंस (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर) उन शीर्ष एथलीटों में शामिल हैं जो विदेशों में अभ्यास

करने के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लेपाएंगे। फर्राटा धावक मणिकांत होबलीधर (100 मीटर) और अमलान बोरगोहेन (200 मीटर) भी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं।

घरेलू क्रिकेटरों का बढ़ सकता है वेतन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीआई) अब घरेलू क्रिकेट का स्तर बढ़ाने के लिए घरेलू क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाने जा रहा है। बीसीसाई का मानना है कि इससे युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं करेंगे। हाल के दिनों में युवा क्रिकेटर अधिक कमाई के लिए लीग क्रिकेट की ओर जाने लगे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के

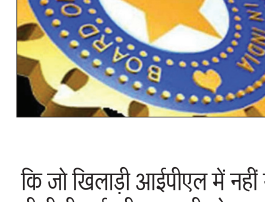

अनुसार बीसीसीआई चयन समिति ने घरेलू क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाने की योजना पर काम करना शुरु कर दिया है। हाल में जिस प्रकार टेस्ट क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाया गया है ,उसी तर्ज पर अब घरेलू क्रिकेटरों का भी वेतन बढ़ेगा। उनके लिए भी टेस्ट क्रिकेटरों की तरह ही इंसेंटिव स्कीम होगी। बीसीसीआई का मानना है कि जो खिलाड़ी आईपीएल में नहीं खेलते हैं उन्हें इसका फायदा मिल सकता है। बीसीसीआई की इस नयी योजना से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की संख्या के आधार पर सालाना 1 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। बीसीसीआई रणजी ट्रॉफी के 10 मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 75 लाख से 1 करोड़ रुपये तक सालाना वेतन देगा। अभी घरेलू क्रिकेट में अनुभव के आधार पर वेतन मिलता है। इसके तहत ही 40 से ज्यादा रणजी ट्रॉफी मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को हर दिन मैच फीस के रूप में 60 हजार रुपये मिलते हैं। वहीं 21 से 40 मैच खेल चुके प्लेयर्स को 50 हजार रुपये तक मिलते हैं। इसी तरह 20 मैच खेल चुके खिलाड़ियों को हर दिन के 40 हजार रुपये मिलते हैं।

प्रेम त्याग व ममता की मूर्ति होती है मां

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

मातृत्व दिवस पर विशेष

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। प्रत्येक वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे यानी मातृ दिवस मनाया जाता है।

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता हैं। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।

नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है, माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मां से बड़ा इस जहान में कोई नही!

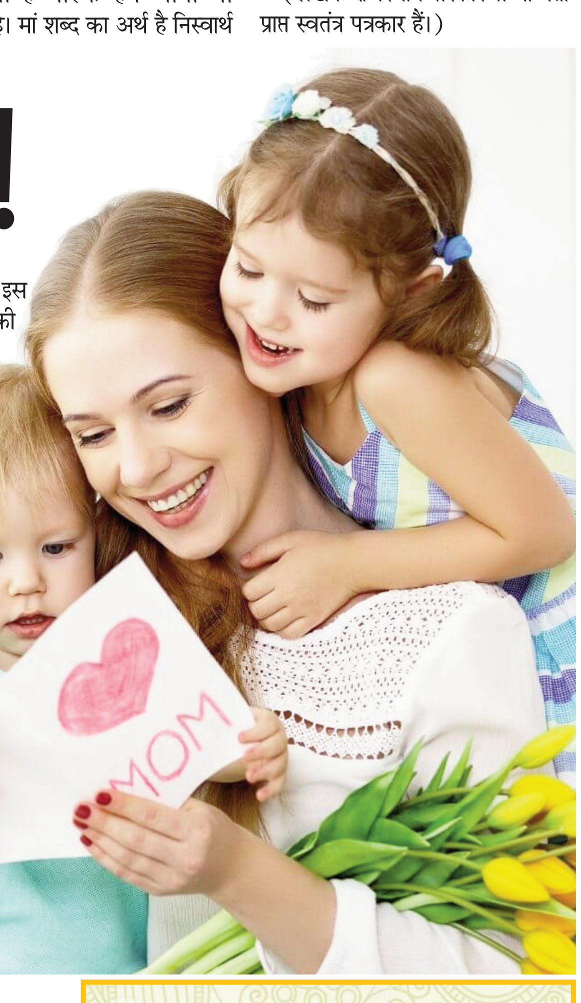

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन

(मदर्स डे पर)

माँ के बिना जीवन असंभव लगता है। मां एक ऐसी ममत्व की मल्लिका है जो अपने बच्चे को अपने पैरों पर खड़ा होकर चलना सिखाती है। आज का दिन हम सभी के पास हमें बड़ा बनाने और अपनी मां को धन्यवाद देने का यह पुनीत अवसर है क्योंकि मां के बिना हम यहां वजूद में नहीं होते।वास्तव में माँ त्याग और समर्पण की प्रतिमूर्ति होती है।मां-बच्चे का रिश्ता इस दुनिया में हम सभी के बीच सबसे खूबसूरत और अविभाज्य है। मां ने हमारा हाथ पकड़कर हमे अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाया।मां प्यार तो करती ही है, बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना निःस्वार्थ भाव से हमारी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। हर कोई अपनी माँ के लिए हर सुख-सुविधा छोड़ सकता है, क्योंकि हर बच्चा अपनी माँ के साथ अधिक आराम और शांति महसूस करता है ।हर किसी के जीवन में माँ सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति होती है, जब हम घर पहुंचते है, तो ऐसा लगता है जैसे मां के बिना घर अधूरा है। बचपन में, जब हम ठोकर लगने से गिरकर घायल हो जाते तो हमारे मुँह से पहला शब्द मां ही निकलता है, हर माँ ने निस्वार्थ भाव से बलिदान दिया और अभी भी दे रही है;वास्तव में मां हमेशा से सम्मान के पात्र हैं। माँ के बिना हमारी सृष्टि असंभव है। किसी में भी माँ बनने की पर्याप्त क्षमता नहीं होती क्योंकि वह अपने बच्चे के लिए बहुत त्याग करती है। इतना कुछ करने की क्षमता किसी में नहीं है. सफलता पाने वाले हर बच्चे के पीछे एक माँ होती है, इसीलिए कहा जाता है कि हर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला होती है, जिसका अर्थ है माँ।भारत में हम देवी-देवताओं की पूजा करने की परंपरा का पालन करते हैं । हम अपनी मां के प्रति आभार और प्यार जताते हैं। एक माँ बिना किसी अपेक्षा के अपना पूरा जीवन अपने बच्चों के लिए समर्पित कर देती है। वह केवल यही चाहती है कि उसके बच्चे उसे प्यार करें। उसके लिए, उसके बच्चों का आलिंगन इस दुनिया की किसी भी चीज़ से बड़ा है, और बच्चों के रूप में हमारे लिए भी ऐसा ही है।कई रिश्तों के बावजूद, हम सभी का सबसे पारदर्शी और निस्वार्थ रिश्ता वह है जो हम अपनी माँ के साथ साझा करते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थिति कितनी कठिन है; एक माँ अपनी आखिरी सांस तक अपने बच्चों के लिए हमेशा मौजूद रहती है। कुछ बच्चे अपनी माँ की कीमत नहीं समझते, लेकिन जब उन्हें इसका एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वे अपनी मांओं को बेहद शर्मनाक ओल्ड होम में भेज देते हैं। बहुत से लोग माँ की तुलना भगवान से करते हैं, लेकिन वह एक वास्तविक देवी है जिसे हम अपनी आँखों से देख सकते हैं।माँ एक ऐसी देवी है जिसने अनंत बलिदानों के माध्यम से हमें अपना जीवन दिया है और कोई भी किसी के लिए इतना कुछ नहीं कर सकता है। पूरे ब्रह्माण्ड में किसी भी चीज़ की तुलना हमारी माँ से नहीं की जा सकती। एक माँ हमारे जीवन में सबसे विश्वसनीय व्यक्ति होती है। वह एक ऐसी शख्सियत हैं जिन पर हम हर स्थिति में आंख मूंदकर भरोसा कर सकते हैं। माँ के बिना संसार की कल्पना करना आसान नहीं है क्योंकि इस पूरे संसार की रचना का कारण मां ही है। मां की अक्सर ही आदत होती है कि वे पूरे परिवार की जरूरतों का तो ख्याल रखती हैं लेकिन खुद को भूल जाती हैं। इसी तरह मेकअप या ज्वेलरी बॉक्स ऐसी ही एक चीज होती है जो मां खुद के लिए खरीदती कभी नजर नहीं आती। वे अक्सर टिन के डिब्बे या किसी आइसक्रीम के डिब्बे में अपना पर्सनल सामान रखने लगती हैं, ऐसे में मां को मदर्स डे पर खूबसूरत सा स्टोरेज बॉक्स दिया जा सकता है।मां को देने के लिए पेडिक्योर किट, मेनीक्योर किट, फेशियल किट, स्किन केयर किट, हेयर केयर किट या फिर मसाज किट दी जा सकती है। इसी तरह मां को रिडियो, इयरप्लग्स, कोई गेम, कोई किचन टूल या किसी और तरह का डिवाइस दिया जा सकता है । अगर आप इस मदर्स डे अपनी मां को एक शानदार गिफ्ट देने की सोच रहे हैं, जो उनके आने-जाने के लिए एक बेहतर ऑप्शन दे, साथ ही उनके सफर को आरामदायक बनाए, तो इस मदर्स डे पर आप अपनी मां को एक स्कूटी या कार उपहार के रूप में दे सकते हैं,बशर्ते मां वाहन चलाना जानती हो,या फिर उनके लिए धार्मिक टूर भी कराया जा सकता है।ये दिन मां के प्रति अपना प्यार जताने का अवसर है। मां को ये एहसास दिलाने का कि वो आपके लिए कितनी खास है। अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सबसे बेहतरीन तरीका उपहार के साथ साथ मां के लिए लिखी कविताएं या शायरी भी हो सकती है।एक शायर ने क्या खूब कहा है,ऐ अँधेरे ! देख ले मुँह तेरा काला हो गया, माँ ने आँखें खोल दीं घर में उजाला हो गया। (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

प्रेम का आदि उद्गम स्थल है मातृत्व

(लेखक - ललित गर्ग)

(अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस,)

मातृ दिवस-समाज में माताओं के प्रभाव व सम्मान का वैश्विक उत्सव है जो माताओं और मातृतुल्य विभूतियों का सम्मान करता है, माताओं के द्वारा अपनी संतान, परिवार और समाज के लिए उनके बलिदान, अमूल्य योगदान और समर्पण को याद करने, सम्मान देने एवं पूजने का पवित्र दिन है। मातृत्व दिवस सम्पूर्ण मातृ-शक्ति को समर्पित एक महत्वपूर्ण दिवस है, जिसे मदर्स डे, मातृ दिवस या माताओं का दिन चाहे जिस नाम से पुकारें यह दिन सबके मन में विशेष स्थान लिये हुए है। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस अन्ना जार्विस द्वारा स्थापित किया गया था, जो उनकी अपनी मां के मानवीय कार्यों के प्रति समर्पण से प्रेरित था, 1914 में राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने आधिकारिक तौर पर अमेरिका में मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे के रूप में नामित किया, जिसे बाद में अन्य देशों ने अपनाया। मां के उपकार इतने बड़े है कि इंसान अगर पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दे तो मां के ऋण से उऋण नहीं हो सकता है। संतान के लालन-पालन के लिए हर दुख का सामना बिना किसी शिकायत के करने वाली मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं।

विश्व के विभिन्न भागों में मातृत्व दिवस अलग-अलग दिन एवं अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। जापान में, माताओं को उपहार में दिया गया कार्नेशन प्यार और कृतज्ञता का प्रतीक है, जबकि इथियोपिया के परिवार बड़े उत्सव की दावतों के लिए इकट्ठा होते हैं। नेपाल में माता तीर्थ औंसी नामक एक विशेष धार्मिक त्योहार मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। भारतीय संस्कृति में मां के प्रति लोगों में अगाध श्रद्धा रही हैं, लेकिन आज आधुनिक दौर में जिस तरह से मदर्स डे मनाया जा रहा है, उसका इतिहास भारत में बहुत पुराना नहीं है। इसके बावजूद तीन-चार दशक से भी कम समय में भारत में मदर्स डे काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। 'मां' शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किसी शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। मातृत्व की छाया में मां न केवल अपने बच्चों को सहेजती है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उसका सहारा बन जाती है। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने मातृत्व को परिभाषित करते हुए कहा है- सभी प्रकार के प्रेम का आदि उद्गम स्थल मातृत्व है और प्रेम के सभी रूप इसी मातृत्व में समाहित हो जाते हैं। प्रेम एक मधुर, गहन, अपूर्व अनुभूति है, पर शिशु के प्रति मां का प्रेम एक स्वर्गीय अनुभूति है।

हर संतान अपनी मां से ही संस्कार पाता है। लेकिन मेरी दृष्टि में संस्कार के साथ-साथ शक्ति भी मां ही देती है। इसलिए हमारे देश में मां को शक्ति का रूप माना गया है और वेदों में मां को सर्वप्रथम पूजनीय कहा गया है। श्रीमद् भगवद् पुराण में उल्लेख मिलता है कि माता की सेवा से मिला आशीष सात जन्मों के कष्टों व पापों को दूर करता है और उसकी भावनात्मक शक्ति संतान के लिए सुरक्षा कवच का काम करती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने मां की महिमा को उजागर करते हुए कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो एकमात्र ऐसा दिन था मेरे जीवन का जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी।' एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं।

अब्राहम लिंकन का मां के बारे में मार्मिक कथन है कि जो भी मैं हूँ, या होने की उम्मीद है, मैं उसके लिए अपने प्यारी माँ का कर्जदार हूँ। किसी औलाद के लिए 'माँ' शब्द का मतलब सिर्फ पुकारने या फिर संबोधित करने से ही नहीं होता बल्कि उसके लिए माँ शब्द में ही सारी दुनिया बसती है, दूसरी ओर संतान की खुशी और उसका सुख ही माँ के लिए उसका संसार होता है। क्या कभी आपने सोचा है कि ठोकर लगने पर या मुसीबत की घड़ी में माँ ही क्यों याद आती है क्योंकि वो माँ ही होती है जो हमें तब से जानती है जब हम अजन्में होते हैं। बचपन में हमारा रातों का जागना, जिस वजह से कई रातों तक माँ सो भी नहीं पाती थी। वह गिले में सोती और हमें सूखे में सुलाती। जितना माँ ने हमारे लिए किया है उतना कोई दूसरा कर ही नहीं सकता। जाहिर है माँ के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एक दिन नहीं बल्कि एक सदी, कई सदियां भी कम है। माँ अपने आप में पूर्ण संस्कारवान, मनुष्यत्व व सरलता के गुणों का सागर है। माँ जन्मदात्री ही नहीं, बल्कि पालन-पोषण करने वाली जीवन-निर्मात्री भी है। मां तो ममता की सागर होती है। लेकिन माँ की इस ममता को नहीं समझने वाले कुछ आधुनिक बच्चे यह भूल बैठते हैं कि इनके पालन-पोषण के दौरान इस माँ ने कितनी कठिनाइयां झेली होगी।

मां के अंदर प्रेम की पराकाष्ठा है या यूं कहें कि मां ही प्रेम की पराकाष्ठा है। प्रेम की यह चरमता केवल माताओं में ही नहीं, वरन् सभी मादा जीवों में देखने को मिलती है। अपने बच्चों के लिए भोजन न मिलने पर हवासिल (पेलिकन) नाम की जल-पक्षिनी अपना पेट चीर कर अपने बच्चों को अपना रक्त-मांस खिला-पिला देती है। किन्तु त्याग की यह चरमता ही मां अर्थात् नारी जाति की शत्रु बन गयी। समाज पुरुष प्रधान होता गया और नारी का अवमूल्यन होता गया। धीरे-धीरे वह पुरुष की उपभोग्या, उसके 'चरणों की दासी' बनकर रह गयी। शिक्षा-आत्मसम्मान वंचिता दासी की संतति महान कैसे हो सकती है? उसमें तो दास सुलभ चारित्रिक प्रवृत्तियां आएंगी ही। अतः नारी के अवमूल्यन के साथ-साथ पुरुष जाति का नैतिक अधःपतन होता गया।

मां प्राण है, मां शक्ति है, मां ऊर्जा है, मां प्रेम, करुणा और ममता का पर्याय है। मां धरती पर जीवन के विकास का आधार है। मां ने ही अपने हाथों से इस दुनिया का ताना-बाना बुना है। सभ्यता के विकास क्रम में आदिमकाल से लेकर आधुनिककाल तक इंसानों के आकार-प्रकार में, रहन-सहन में, सोच-विचार, मस्तिष्क में लगातार बदलाव हुए। लेकिन मातृत्व के भाव में बदलाव नहीं आया। मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सच तो यह है कि मां विधाता से कहीं कम नहीं है। मां एक भाव है मातृत्व का, प्रेम और वात्सल्य का, त्याग का और यही भाव उसे विधाता बनाता है।

मां विधाता की रची इस दुनिया को फिर से अपने ढंग से रचने वाली विधाता है। मां सपने बुनती है और यह दुनिया उसी के सपनों को जीती है और भोगती है। मां जीना सिखाती है। पहली किलकारी से लेकर आखिरी सांस तक मां अपनी संतान का साथ नहीं छोड़ती। मां पास रहे या न रहे मां का प्यार दुलार, मां के दिये संस्कार जीवन भर साथ रहते हैं। मां ही अपनी संतानों के भविष्य का निर्माण करती हैं। इसीलिए मां को प्रथम गुरु कहा गया है। इसलिए यह आवश्यक है कि मातृत्व के भाव पर नारी मन पर किसी दूसरे भाव का असर न आए। जैसाकि आज कन्याभ्रूणों की हत्या का जो सिलसिला बढ़ रहा है, वह नारी-शोषण का आधुनिक वैज्ञानिक रूप हैं तथा उसके लिए मातृत्व ही जिम्मेदार है। कन्याभ्रूणों की हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है। अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

मां

ममता की छांव में पलने का जिसने मौका दिया हमे,
हर धूप को सहकर छांव में पाला हमे,
हर वक्त और काम में साथ दिया हमे,
झूठ सच और उच्च नीच का ज्ञान कराया हमे,
ममता की उस मूरत का नाम है मां ।

खुद दुखों को सहकर अपने मुंह का निवाला दिया हमे,
बड़े प्यार से पाल पोस कर रखा और पाला हमे,
हमारे बचपन के हर पलो को खुशनुमा बनाया जिसने,
ज्ञान की उस गंगा का नाम है मां ।

अपने जीवन को संघर्षों में काटकर जिसने,
अपने बच्चों को जीने का तरीका सिखाया,
हमारी छोटी छोटी अंगुलियों को पकड़कर,
आंगन में जिसने चलना सिखाया,
ममता की उस मूरत का नाम है मां ।

दुनियादारी की बातों का ज्ञान करवाकर,
अपनी ममता भरी गोद में सुलाकर,
हर समय अपने बच्चो को सहलाकर,
अपने साड़ी के पल्लू को आंचल बनाया जिसने,
दुनिया में भगवान का दूसरा प्रतिमान है मां,
ममता की उस मूरत का नाम है मां ।

डिम्पल भाटी ,
बिलाड़ा

ब्राजील में तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर 116 हुई

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर 116 हो गई है। एक समाचार एजेंसी ने नागरिक सुरक्षा एजेंसी से जारी आंकड़ों के हवाले से बताया ?कि 143 लोग लापता हैं, 756 घायल हुए हैं और लगभग चार लाख लोगों ने अपने स्थानों को छोड़ दिया है। एजेंसी ने कहा कि तूफान से कुल 1,947,372 लोग प्रभावित हुए हैं। जबकि 70,863 लोगों को सुरक्षाबलों और बचावकर्ताओं ने बचाया। गुइबा नदी में बाढ़ आने के बाद पोर्टो एलेग्रे का सालगाडो फिल्हो अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा सेवा से बाहर हो गया है। 29 अप्रैल के बाद से बारिश और बाढ़ ने अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा पर स्थित शीर्ष कृषि और पशुधन उत्पादक रियो ग्रांडे डो सुल के इतिहास में सबसे खराब जलवायु त्रासदी का कारण बना है, जहां 437 से अधिक नगर पालिकाएं तूफान से पीड़ित हुई हैं।

वार्ता फेल होने के बाद रफा पर इजरायल का हमला तेज

गाजा। मिस्र के काहिरा में इजरायल-हमास संघर्ष विराम वार्ता विफल होने के बाद इजरायल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफा पर भारी बमबारी शुरू कर दी है। अभी ये पता नहीं चला है कि इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं। रफा में कुवैत अस्पताल का संचालन काफी हद तक बंद हो गया है। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कहा कि रफा में इजरायली बमबारी तेज होने के बाद लगभग एक लाख दस हज़ार लोग रफा से भाग गए हैं।

खान यूनिस की सुरंगों में छिपा है याह्या सिनवार

तेलअवीव। हमास नेता और इजराइल पर हमलों का मास्टर माइंड याह्या सिनवार राफा में नहीं है। ये जानकारी ऐसे वक्त आई है जब नेतन्याहू हमास की लीडरशिप के खात्मे के लिए राफा में इजराइली सैनिकों को घुसाने की तैयारी में हैं। अधिकारियों के मुताबिक हाल ही की इंटेलिजेंस के मुताबिक सिनवार राफा से 5 मील दूर खान युनिस की सुरंगों में छिपा है। उसे आखिरी बार फरवरी में हमास की बनाई सुरंगों से गुजरते हुए देखा गया था। वो अपने परिवार के लोगों के साथ था। इस जानकारी के बावजूद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा के आखिरी बचे शहर राफा में मिलिट्री ऑपरेशन को जरूरी बता रहे हैं। उनका कहना है कि वे हमास की लीडरशिप का जड़ से मिटाने के लिए राफा में घुस रहे हैं। जबकि अमेरिका भी इसका विरोध कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का दावा अफगानिस्तान में बाढ़ से 200 लोगों की मौत , तालिबान सरकार ने 62 मौतों की पुष्टि की

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि उत्तरी अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ के कारण एक ही प्रांत में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने बताया कि भारी बारिश के कारण बघलान प्रांत में 200 से अधिक लोग मारे गए और हजारों घर नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए। आईओएम आपातकालीन प्रतिक्रिया नेतृत्व ने अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों का हवाला देकर कहा, सिर्फ बघलानी जदीद जिले में 1,500 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए और 100 से अधिक लोग मारे गए। वहीं तालिबान सरकार के अधिकारियों ने कहा कि अब तक 62 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में मृतकों और घायलों की संख्या में अंतर किए बिना कहा कि हमारे सैकड़ों साथी नागरिक इन विनाशकारी बाढ़ के कारण मारे गए हैं। अफगानिस्तान के कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई, उत्तरी तखर प्रांत के अधिकारियों ने शनिवार को 20 लोगों की मौत की सूचना दी। अफगानिस्तान, जहां अपेक्षाकृत शुष्क सर्दी थी, जिससे मिट्टी के लिए वर्षा को अवशोषित करना अधिक कठिन हो गया, जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। चार दशकों के युद्ध से तबाह हुआ यह देश दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है और वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों का सामना करने के लिए सबसे खराब तैयार देशों में से एक है।

पूर्वी कांगो में विस्थापितों के शिविर पर बमबारी... 35 की मौत

कांगो। पूर्वी कांगो में विस्थापितों के दो शिविरों पर पिछले सप्ताह हुई बमबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई, जबकि दो लोगों की हालत बेहद नाजुक है। उत्तर किवु राज्य में शिविरो पर हमले हुए थे। पूर्वी कांगो के मुगुंगा और लैक वर्ट शिविरों पर बमबारी के लिए कांगो की सेना और विद्रोही समूह 'एम23' एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस हमले के आरोप 'एम23' और पड़ोसी देश रवांडा की सेना पर लगाएं हैं। एम23 एक सशस्त्र समूह है जिसमें तुत्सी जनजाति के लोग शामिल हैं। ये समूह कांगो की सेना से 12 साल पहले अलग हुआ था। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स टी ने पड़ोसी देश रवांडा पर एम23 विद्रोहियों का समर्थन कर कांगो में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है।

अफगानिस्तान में 4.5 तीव्रता का आया भूकंप, बाढ़ ने ली कई जानें

काबुल। अफगानिस्तान में आज सुबह 6.16 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 आंकी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। इस बीच अफगानिस्तान के बगलान में अचानक आई बाढ़ ने 50 लोगों की जान ले ली, जबकि कई लोग लापता हो गए। घर और संपत्ति क्षतिग्रस्त हो गये। इस त्रासदी के बाद बचाव दल भेजे गए। बता दें कि पिछली अप्रैल में आई बाढ़ में 70 लोगों की मौतें हुईं थी। संपत्ति की नुकसान पहुंचा और कृषि को नुकसान हुआ था। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार की रात धूल भरी आंधी के बाद शनिवार की सुबह दिल्ली में ठंडा मौसम रहा। दिल्ली में तापमान तुलनात्मक रूप से गिरा और कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हुई।

पोप फ्रांसिस ने इटली के लोगों से की ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील

रोम। पोप फ्रांसिस ने इटली के लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की है। पोप ने लोगों को आगाह किया कि देश का जनसांख्यिकीय संकट भविष्य के लिए खतरा है। पोप ने परिवारों की मदद के लिए दीर्घकालिक नीतियां बनाने की भी मांग की है। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जन्म की संख्या लोगों की उम्मीदों को दर्शाती है। बच्चों और युवाओं के बिना एक देश की भविष्य के प्रति कोई आकांक्षा नहीं रह जाती। इटली में जन्म दर पहले ही काफी कम है और यह 15 वर्षों से लगातार गिर रही है। यह पिछले साल रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। देश में पिछले वर्ष 3,79,000 शिशुओं का जन्म हुआ। वेटिकन के मजबूत समर्थन से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने 2033 तक सालाना कम से कम 5,00,000 शिशुओं के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए अभियान शुरू किया है। बीते साल इटली सरकार की ओर से जारी एक रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात सामने आई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि इटली 15 से 49 साल की औरतों की कमी से जूझ रहा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच खार्किव में रूसी मिसाइल हमले के स्थल पर काम करते अग्निशामक।

इजराइल का दावा... याह्या सिनवार अभी भी गाजा में

गाजा। गाजा में हमास की राजनीतिक शाखा के नेता और इजराइल के सर्वाधिक वांछित व्यक्तियों में से एक, याह्या सिनवार, राफा में नहीं हैं, दो अधिकारियों ने कहा कि इजराइल गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में अपने जमीनी हमले के साथ आगे बढ़ रहा है। दो अधिकारियों ने बताया कि हमास नेता राफा से दूर खान यूनिस क्षेत्र में भूमिगत सुरंगों में छिपा हुआ था। इजराइल के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सिनवार अभी भी गाजा में है। मार्च में बताया गया कि याह्या सिनवार के करीबी रिश्तेदार राफा क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र चले गए। हमास के कई अन्य शीर्ष नेता भी अपने रिश्तेदारों और परिवार को गाजा से बाहर मिस्र में सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने में कामयाब रहे हैं।

इजराइल ने याह्या को 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमले का मास्टरमाइंड बताया है, इसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, और 200 से अधिक अन्य का अपहरण कर लिया गया था। माना जाता है कि बाद के महीनों में इजराइल ने हमास के सैन्य विंग के डिप्टी कमांडर मारवान इस्सा को अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ मार डाला। हालाँकि, सिनवार और उनके डिप्टी, सैन्य विंग प्रमुख मोहम्मद डेफ का पता नहीं चला है। यह घटनाक्रम तब हुआ है, जब इजराइल ने रफा में जमीनी आक्रमण शुरू कर शहर के पूर्वी हिस्से में एक लक्षित अभियान शुरू किया है। इजराइल ने कहा है कि राफा हमास आतंकवादी समूह का आखिरी गढ़ था। राफा 12 किमी की सीमा पर स्थित है जो गाजा पट्टी को मिस्र से विभाजित करती है और गाजा से लोगों के लिए प्राथमिक निकास बिंदु है।

एलएसी पर तनाव, जिनपिंग का नया दांव, भारत को मनाने के लिए चीन ने भेजा अपना राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी पर भारत और चीन के बीच गजब का तनाव है और इस तनाव के बीच दोनों देशों के संबंध संकट के दौर से गुजर रहे हैं। तनाव को कम करने की कोशिश दोनों तरफ से सैन्य स्तर पर हुई। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि चीन की तरफ से आधिकारिक स्तर पर राजनयिक स्तर पर हालात को सुधारने की कोशिश हो रही है। गलवान में भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच झड़प के बाद से भारत और चीन के संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस मुठभेड़ के बाद भारत में 59 चीनी एप्स को बैन किया गया। भारत लगातार चीन पर अपनी निर्भरता को घटाने में लगा हुआ है। इन सब के बीचचीन भारत में जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ। चीन ने 18 महीने से अपने राजदूत कि नियुक्त भारत में नहीं की। भारत में चीनी एबेंसी खाली पड़ी थी। इन सब के बीच अब चीन और भारत में बातचीत का कोई दौर नहीं रहा तो तनाव को कम करने के लिए चीन ने अपने राजदूत की नियुक्ति कर दी। वो भी तब जब चीन की तरफ से भारत के एक राज्य अरुणाचल प्रदेश को लेकर अपना दावा जताया था। इससे भी भारत खफा है।

18 महीने बाद भारत में चीनी राजदूत

भारत में चीन के नये राजदूत शू फेइहोंग दिल्ली पहुंच गए हैं। भारत में चीन के राजदूत का पद करीब 18 महीने से खाली था, जो चार दशकों में सबसे लंबा अंतराल है। शू ने कहा कि चीन एक-दूसरे की चिंताओं को समझने और बातचीत के माध्यम से विशिष्ट मुद्दों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। उन्होंने पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से जारी सैन्य गतिरोध के बीच यह बात कही है।

दोस्ती को प्रगाढ़ बनाने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास

शूने सुन वेइदोंग की जगह ली है, जो भारत में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद अक्टूबर 2022 में रवाना हो गए थे। शू का भारत आगमन पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए बीजिंग और नयी दिल्ली के बीच लंबी सैन्य व राजनयिक वार्ता के बीच हुआ है। उन्होंने कहा कि यह एक सम्मानजनक मिशन और महत्वपूर्ण ड्यूटी है। मैं दोनों देशों के बीच समझ और दोस्ती को प्रगाढ़ बनाने, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने व आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

म्यांमार के बाद भारत के इस पड़ोसी देश को चीन ने लगाया चूना

-बेच दिए अपने कबाड़ हो चुके हथियार

ढाका (एजेंसी)। म्यांमार को पाकिस्तान में बने घटिया जेएफ-17 फाइटर जेट सप्लाई करने के बाद अब चीन के हथियारों की एक और पड़ोसी देश में पोल खुल गई है। चीन ने हाल के वर्षों में 2.59 अरब डॉलर के हथियार बांग्लादेश सेना को ब्रिकी किए है। इससे चीन बांग्लादेश का मुख्य हथियार सप्लायर देश बनकर उभरा है। चीन की मंशा है कि वह भारत के एक और पड़ोसी देश को अपने पाले में लाकर प्रभाव को बढ़ाया ले। वहीं बांग्लादेश भी गुपचुप भारत के दुश्मन से दोस्ती बढ़ा रहा है। अब खुलासा हुआ है कि बांग्लादेश ने चीन से एफ-7 फाइटर जेट खरीदा है, जो तकनीकी गड़बड़ियों का शिकार हो गया है। रिर्पोट के मुताबिक चीन के घटिया हथियारों से न केवल खरीदने वाले देशों का पैसे का नुकसान हो रहा है, बल्कि जिस सुरक्षा के लिए उन्हें खरीदा जाता है, वह भी नहीं हो पा रही है। हाल के वर्षों में बांग्लादेश की सेना ने कई बार चीनी कंपनियों से शिकायत की है। उन्हें अपने गश्ती समुद्री जहाजों के लिए कलपुर्जे नहीं मिल पा रहे हैं। साथ ही उसमें तमाम गड़बड़ियां मिल रही हैं। इनमें प्रमुख नाम एफ-7 फाइटर जेट का है जो कई तकनीकी गड़बड़ियों से जूझ रहा है। चीन ने फाइटर जेट में जो रेडॉर लगाया है, वह भी सटीक जानकारी नहीं दे रहा है। इसमें मिसाइल और इंटरसेप्शन रेडॉर की भी कमी है।

इतना ही नहीं बांग्लादेश की एयरफोर्स को चीन के बनाए हुए के -8वॉट एयरक्राफ्ट से बम गिराने में दिक?कत हो रही है। इस विमान को साल 2020 में चीन ने दिया था लेकिन तभी से यह समस्या बनी हुई है। यही नहीं बांग्लादेश की सेना ने जो शॉर्ट रेंज के डिफेंस सिस्टम खरीदे थे, वे खराब निकले हैं। इसके अलावा टैंक के गोले और टैंक के कलपुर्जे की सप्लाई को लेकर दोनों देशों में विवाद है। इसी तरह से बांग्लादेश की नौसेना को मिले चीनी युद्धपोत और हथियार सवालों के घेरे में हैं। बताया जा रहा है कि पहले घटिया हथियार देने वाला चीन अब रिपेयर के नाम पर खूब पैसे मांग रहा है। चीन ने बांग्लादेश को पहले बहुत कम दाम में सबमरीन बेची थी लेकिन अब वे बेकार निकल रही हैं।

एलन का ऐलान : ये आखिरी चुनाव होगा जिसमें अमेरिकी नागरिकों की होगी भूमिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने हाल ही दावा किया है कि 2024 का अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव अंतिम चुनाव होगा, जिसमें अमेरिकी नागरिकों की सीधी भूमिका होगी। उन्होंने अमेरिका में रह रहे अवैध आप्रवासियों के प्रभाव के बारे में चिंता जतायी है। मस्क का यह बयान हाउस रिपब्लिकन द्वारा पारित एक नए बिल को लेकर आया है, जिसमें राष्ट्रीय जनगणना में नागरिकता के प्रश्न को शामिल करने की तैयारी है। इस कदम का व्हाइट हाउस और डेमोक्रेट के सांसदों के द्वारा विरोध किया गया है। बता दें कि अगर इस बिल को लागू किया जाता है तो इसका असर ऐसे राज्यों में देखने को मिलेगा, जहां अप्रवासियों की बड़ी आबादी है। कांग्रेस में आप्रवासियों का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। इस बिल के आलोचकों का तर्क है कि यह चौदहवें संशोधन का उल्लंघन करता है, जिसके तहत जनगणना के दौरान प्रत्येक राज्यों में व्यक्तियों की पूरी संख्या की गिनती करना अनिवार्य है। मस्क के इस बयान से इमिग्रेशन और लोकतंत्र पर इसके प्रभाव को लेकर अमेरिकी समाज और और वहां की राजनीति में गहराते विभाजन को उजागर करते हैं। इससे यही प्रतीत होता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी का बिल का विरोध इसलिए कर रही है कि गैर अमेरिकी नागरिकों की मदद से वह अपना चुनावी बेस बढ़ा सके। रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल को चुनाव संबंधित किसी भी बंटवारे के लिए उपयोग की जाने वाली जनगणना से अमेरिका के स्थायी नागरिकों को छोड़कर बाकी को बाहर करने के लिए तैयार किया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि सिर्फ अमेरिका के स्थायी नागरिकों की संख्या के आधार पर ही कांग्रेस की सीटों की संख्या तय की जाएगी। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने इस बिल का बचाव किया है। उन्होंने कहा है कि यह सामान्य ज्ञान है कि केवल अमेरिकी नागरिकों को चुनावी बंटवारे के लिए गिना जाना चाहिए।

यूएनजीए ने फिलिस्तीन की सदस्यता को विशेष दर्जा देने कराया मतदान

– संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अमेरिकी वीटो को किया दरकिनार

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने फिलिस्तीन की सदस्यता को विशेष दर्जा देने के लिए मतदान कराया, इस मतदान का उद्देश्य पूर्ण सदस्यता पर अमेरिकी वीटो को रोकना था। गाजा पर इजरायल के हमले और युद्धविराम की कोशिशों के बीच में ऐतिहासिक प्रस्ताव को भारत, फ्रांस, चीन, रूस और जापान समेत 143 वोटों के साथ अपनाया गया, जबकि अमेरिका और इजरायल समेत नौ वोट विपक्ष में गिरे। पिछले माह सुरक्षा परिषद में पूर्ण सदस्यता के लिए फिलिस्तीन की बोली के एकमात्र अमेरिकी वीटो को खारिज करते हुए ब्रिटेन, कनाडा और कई यूरोपीय सदस्यों समेत 25 सदस्य गैरहाजिर रहे।

अमेरिका और इजरायल के अलावा हंगरी, चेकिया, अर्जेंटीना, माइक्रोनेशिया, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी और नाउरू ने इसका विरोध किया। फिलिस्तीन के स्थायी पर्यवेक्षक रियाद मंसूर ने मतदान से पहले कहा था कि इसका समर्थन करना शांति में निवेश और सही कदम है। एक पर्यवेक्षक देश बने रहने के दौरान फिलिस्तीन को महासभा के कार्यालयों में चुने जाने, अन्य पर्यवेक्षकों के साथ पीछे रहने के बजाय नियमित सदस्य देशों के बीच बैठने और निकाय के समक्ष मामलों में संशोधन पेश करने का अधिकार मिलता है और विभिन्न प्रक्रियात्मक मामलों में भाग लेते हैं। लेकिन इसकी विशेष सदस्यता इसे विधानसभा में मतदान करने या संयुक्त राष्ट्र के अन्य निकायों में सदस्यता लेने की अनुमति नहीं देगी। सुरक्षा परिषद को पूर्ण सदस्यता के विपरीत, विशेष दर्जे को मंजूरी नहीं देनी होगी, जिस पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। अल्जीरिया द्वारा प्रस्तावित और बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान और मालदीव द्वारा सह-प्रायोजित प्रस्ताव में परिषद से पूर्ण सदस्यता के लिए फिलिस्तीन के अनुरोध पर पुनर्विचार करने के लिए भी कहा गया।

अमेरिकी उप स्थायी प्रतिनिधि रॉबर्ट वुड ने चेतावनी दी कि इसे वीटो कर दिया जाएगा। राजनयिकों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद अपनाया गया यह प्रस्ताव उस अमेरिकी कानून को दरकिनार कर देता है, जिसके तहत पूर्ण सदस्यता देने पर संयुक्त राष्ट्र में उसका योगदान स्वतः ही बंद हो जाता। यह संगठन को पंगु बना देगा, क्योंकि वाशिंगटन संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट का 22 फीसदी और शांति स्थापना बजट का 27 फीसदी योगदान देने वाला सबसे बड़ा देश है।

हिटलर ने आत्महत्या नहीं की, हार के डर से भाग गया था दूसरे देश !

-समुद्र में मिली नाजी बोट की जांच के बाद किया दावा

बर्लिन, (एजेंसी)। हिटलर जिसका नाम सुनते ही अच्छे अच्छों की रुह कांप जाती है क्योंकि उसके जुल्म की फेहरिस्त बहुत लंबी है। हिटलर ने जर्मनी के करीब 12 साल तक राज किया। एडोल्फ हिटलर के बारे में कहा जाता है कि अप्रैल, 1945 को बर्लिन में हिटलर ने अपने बंकर में आत्महत्या कर ली थी। हिटलर ने दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी की हार होने के बाद ये कदम उठाया था। हिटलर की मौत के बारे में कई तरह के दावे भी किए जाते रहे हैं। हिटलर की मौत के बारे में कई परस्पर विरोधी रिपोर्ट सामने आई, जिनमें एक ये भी है कि हिटलर मरा नहीं था बल्कि समुद्र के रास्ते दूसरे देश भागा गया था। इसके पक्ष में ये तर्क दिया जाता है कि किसी ने कभी हिटलर का शव देखा नहीं था। हिटलर के भागने की खबर एक बार फिर फैल रही है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण अटलांटिक महासागर के तल पर डूबी एक रहस्यमय बोट के बारे में ये पुष्टि हुई है कि ये द्वितीय विश्व युद्ध में डूबी नाजी यू-बोट थी। यह भी दावा किया जा रहा है कि इस बोट से ही हिटलर जर्मनी से निकला था। जहाज की पानी के नीचे खुदाई दो साल पहले शुरू की गई थी, जब यह अर्जेंटीना के क्वेक्वेन के तट पर समुद्र तल पर 80 फीट से अधिक नीचे पाई गई थी। इसके बाद ये भी दावे किए जा रहे थे कि हिटलर जर्मनी से जिंदा भाग निकला था। कई इतिहासकारों का मानना है कि इस बोट का इस्तेमाल हिटलर और दूसरे नाजियों को जर्मनी से निकालने के लिए किया गया था। इटालियन नेवल लीग के नाजी युग के हथियार विशेषज्ञ फैबियो बिस्सिओटी ने इसकी यू-बोट होने की पुष्टि की।

एक नई जांच से पता चलता है कि हिटलर जैसे जर्मन नेता दक्षिण अमेरिका भाग सकते थे। वयोवृद्ध नाजी शिकारी एबिल बस्टी ने कहा कि मेरे शोध में अधिकांश प्रत्यक्ष साक्ष्य हैं और मेरी आखिरी पुस्तक युद्ध के बाद यानी दक्षिण अमेरिका में निर्वासन में हिटलर की तस्वीरें प्रस्तुत करती है। साफ है कि हिटलर ने 1945 में आत्महत्या नहीं की थी बल्कि 80 साल की उम्र में वह दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में चिली, ब्राजील, बोलीविया, कोलंबिया और पैराग्वे की यात्रा करते उसकी मौत हुई थी।

हिटलर-हिज लाइफ एंड हिज डेथ नाम की किताब लिखने वाले सिमोनी रेनी ग्युरेरो डायस कहते हैं कि हिटलर ना केवल बंकर से भाग निकला था और ब्राजील पहुंच गया था और

1984 तक जिंदा रहा। उसकी मौत 95 साल की उम्र में हुई। सिमोनी का ये भी दावा है कि हिटलर का ब्राजील में अश्वेत महिला के साथ संबंध भी रहा है। खैर कुछ भी हो हिटलर की मौत आज भी एक रहस्य ही बनी हुई है।

अमेरिका को पीछे छोड़ भारत-चीन व्यापार में आगे निकले

-दोनों देशों के बीच 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हुआ कारोबार

नई दिल्ली।

भारत और चीन सीमा विवाद को लेकर आए दिन बयान जारी होते रहते हैं। भारत हमेशा कहता है चीन अपनी हरकतों से बाज आए जाए लेकिन चीन कुछ दिन शांत रहने के बाद फिर हरकत दिखा देता है लेकिन इन सबके बावजूद भारत और चीन के व्यापार पर कुछ असर नहीं हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में फरवरी तक चीन और भारत के बीच 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार हुआ है। वहीं अमेरिका और भारत का द्विपक्षीय व्यापार 8 लाख 91 हजार करोड़ रुपए रहा है।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में 10 लाख 38 हजार 772 करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार के साथ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर था। 9 लाख 13 हजार 705 करोड़ रुपए के ट्रेड के साथ चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था लेकिन 2024 में फरवरी तक भारत से चीन को 1 लाख 25 हजार 47 करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट हुआ। वहीं चीन से 7 लाख 78 हजार 161 करोड़ रुपस का इंपोर्ट हुआ। इस साल सबसे ज्यादा आयात चीन से किया गया। हालांकि भारत से सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका को हुआ है। अप्रैल-फरवरी के दौरान अमेरिका का निर्यात 5 लाख 79 हजार 401 करोड़ रुपए का रहा। वहीं अमेरिका से 3 लाख 11 हजार 464 करोड़ रुपए का आयात किया गया।

2023 के मुकाबले 2024 में अप्रैल-फरवरी के बीच टॉप 5 ट्रेड पार्टनर देशों के क्रम में एक और बदलाव हुआ। सऊदी अरब को पीछे छोड़कर रूस भारत का चौथा बड़ा कारोबारी पार्टनर बन गया है। 2024 (फरवरी तक) में 6 लाख 19 हजार करोड़ रुपए के ट्रेड के साथ तीसरे नंबर पर यूनाइटेड अरब अमीरात है। 2023 में भारत और सऊदी अरब के बीच 4 लाख 23 हजार 843 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। रूस के साथ आंकड़ा 3 लाख 99 हजार 466 करोड़ रुपए का था। लेकिन 2024 में अप्रैल-फरवरी के दौरान 4 लाख 91 हजार 803 करोड़ रुपए के कारोबार के साथ रूस चौथे स्थान पर आ गया है। वही इस साल सऊदी अरब के साथ ट्रेड का आंकड़ा 3 लाख 26 हजार 935 करोड़ रुपये का रहा। ब्रिटेन की

इकॉनमी तीन साल के बाद मंदी से बाहर आई है।

2024 की पहली तिमाही जनवरी से मार्च के दौरान ब्रिटेन की इकॉनमी ने 0.6 फीसदी दर से ग्रोथ किया है। ब्रिटेन के नेशनल स्टैटिसटिक्स ऑफिस के मुताबिक, 2024 के पहली तिमाही जनवरी से मार्च के दौरान ब्रिटेन की इकॉनमी की जीडीपी ग्रोथ रेट 0.6 फीसदी रही है, जोकि 2021 की चौथी तिमाही में 1.5 फीसदी के जीडीपी के आंकड़े के बाद सबसे जयादा है। 2023 की पहली तिमाही में ब्रिटेन की जीडीपी ग्रोथ रेट नेगेटिव में -0.3 फीसदी थी। ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति जीडीपी में भी दो साल में पहली बार बढ़ोतरी हुई है।

मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश, करोड़ों का ड्रग्स जब्त, एक गिफ्तार

मुंबई।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने देश में ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। डीआरआई ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक ब्राजीलियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है जो अपने पेट में नशीला पदार्थ ले जा रहा था। आरोपी के पेट से 110 कैप्सूल निकाले गए हैं और उन कैप्सूल में 975 ग्राम कोकीन पाई गई है. बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस कोकीन की कीमत 10 करोड़ रुपया है. डीआरआई मुंबई के अधिकारियों के अनुसार, सूत्रों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर, डीआरआई एमजेडयू के अधिकारियों ने 8 मई को मुंबई हवाई अड्डे से ड्रग्स ले जाने वाले एक संदिग्ध ब्राजीलियाई को पकड़ा। पूछताछ के बाद, उसने भारत में तस्करी के लिए ड्रग्स युक्त कैप्सूल का सेवन करने की बात कबूल की। ब्राजील के इस शख्स को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया. इसके बाद कोर्ट के आदेश पर उसे मुंबई के जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. ब्राजीलियाई व्यक्ति के पास से 975 ग्राम कोकीन वाले कुल 110 कैप्सूल पाए गए। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 9.75 करोड़ रुपये है. डीआरआई अधिकारियों ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत कोकीन जब्त कर ली। साथ ही आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर लिया है. टीम इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है जो भारत में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं।

- डीआरआई ने 15 करोड़ की ड्रग्स जब्त की

पिछले एक सप्ताह में डीआरआई की ओर से यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है. इससे पहले डीआरआई अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर ड्रग्स रखने के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया था. उस व्यक्ति के पास से 77 कैप्सूल मिले थे जिनमें 1468 ग्राम कोकीन थी। उसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई गई थी.

तेजस्वी और राहुल को दर्द कहीं भी हो, पीएम तो मोदी ही बनेंगे

- चुनावी रैली में बीजेपी प्रत्याशी नित्यानंद राय ने कसा तंज

पटना।

लोकसभा चुनाव का प्रचार जोर शोर से जारी है सभी राजनीतिक दल चुनावी सभाएं और रैली करने में मशगूल हैं। वहीं बिहार में आरजेडी नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पेन किलर और इंजेक्शन लेकर चुनाव प्रचार में जुटे हैं और चुनावी सभा में जनता को बता रहे हैं कि वह दर्द के बावजूद चुनावी अभियान जारी रखे हैं। एक चुनावी रैली में उन्होने कमर दर्द के चलते सपोर्ट बेल्ट पहनी थी लोगों को भी दिखाई थी। जिसका वीडियो पोस्ट किया था। इसके बाद अब एनडीए के नेताओं ने तेजस्वी पर हमला बोला है। उजियारपुर से बीजेपी प्रत्याशी नित्यानंद राय ने कहा कि तेजस्वी और राहुल को दर्द कहीं भी हो, पीएम तो मोदी ही बनेंगे।

हाजीपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि तेजस्वी और राहुल गांधी को दर्द क्यों होता है।

अभी पैर और कमर में दर्द हुआ है अभी तो कई अंगों में भी दर्द होना बाकी है। तेजस्वी को पैर, कमर, मुंह, कान, नाक, छाती, कहीं भी दर्द हो, लेकिन पीएम तो नरेंद्र मोदी ही बनेंगे। वहीं एलजेपीआर के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि तेजस्वी को महागठबंधन की हार के संकेत मिल रहे है। इसीलिए वह आक्रामक बनते दिख रहे हैं...जैसे-जैसे चुनाव के चरण बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे इनको अपनी हार का एहसास होता जा रहा है।

बता दें तेजस्वी यादव अपनी चुनावी रैलियों पर पीएम मोदी पर लगातार हमला बोल रहे हैं। मुंगेर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि मोदी जी देश के अबतक के सबसे झूठे प्रधानमंत्री साबित हुए हैं। तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी की कमर तोड़े बिना इंडिया गठबंधन चैन से नहीं बैठेगा। लोकतंत्र में जनता मालिक होती है। आप लोगों की ताकत से हमें ऊर्जा मिलती है। तेजस्वी की सेहत इन दिनों चुनावी मुद्दा बन गई है। एक तरह तेजस्वी पेन किलर और इंजेक्शन और सपोर्ट बेल्ट पहनकर चुनाव प्रचार रहे हैं और जनता को भी अपने दर्द का एहसास करा रहे हैं, लेकिन एनडीए और बीजेपी नेता तेजस्वी के इस दर्द पर नमक डालने का काम कर रहे हैं। अब देखना है कि जनता किसके हाथ में सत्ता की चाबी सौंपती है।

मतदान की स्याही दिखाओ.....

रांची में ये सुविधाएं निशुल्क पाओ

रांची ।

रांची नगर निगम की ओर से लोकसभा आम निर्वाचन में शहरी क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में निगम 25 मई को रांची संसदीय सीट के लिए होने वाले चुनाव में मतदान करने वाले शहरवासियों को कई तरह की निशुल्क सुविधा उपलब्ध देगा।

मतदान के बाद ऊंगली पर लगी अमिट स्याही दिखाने पर 25 मई को निगम क्षेत्र के सभी बंदोबस्त पड़ाव स्थल पर वाहनों को रखने की सुविधा निशुल्क रहेगी। इस तरह सभी बंदोबस्त पार्क में प्रवेश एवं सिटी बस की यात्रा भी निशुल्क रहेगी। पार्क में मतदान करने वाले शहरवासी के साथ आए नाबालिग बच्चों को भी प्रवेश की सुविधा बहाल रहेगी। निगम के प्रशासक ने रांची नगर निगम क्षेत्र के सभी सम्मानित नागरिकों से मतदान दिवस के दिन मतदाता होने के कर्तव्य का निर्वहन ठीक प्रकार से और मतदान जरूर करने का आह्वान किया है। झारखंड में लोकसभा चुनाव के पहले (देश के चौथे) चरण के मतदान के दिन मतदाताओं पर मौसम के थोड़ा मेहरबान रहने की उम्मीद है। संभावना है कि झारखंड की चार लोकसभा सीट सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा व पलामू में 13 मई को होने वाले मतदान के दिन सूर्य की तपिश से कुछ राहत मिलेगी। सिंहभूम व खूंटी के मुकाबले लोहरदगा व पलामू थोड़े गर्म रहेंगे। हालांकि हीटवेव चलने की आशंका कम है।

खूंटी और सिंहभूम में चुनाव वाले दिन तेज आंधी के साथ मौसम के करवट लेने का पूर्वानुमान है। 11 से 16 मई के बीच आंधी के साथ हल्की बारिश का भी दौर जारी रहेगा। इसके चलते अधिकतम और न्यूनतम पारा भी नीचे लुढ़केगा।

मध्य प्रदेश की 8 सीटों पर है भाजपा और कांग्रेस की नजर

भोपाल।

मध्य प्रदेश राज्य में लोकसभा चुनाव के तीन चरणों में मतदान हो चुका है और चौथे चरण के लिए बिसात पूरी तरह बिछ चुकी है। इस चरण में निमाड़-मालवा इलाके की 8 सीटों पर 13 मई को मतदान होना है। चुनाव प्रचार के लिए 24 घंटे से भी कम का वक्त बचा है, इसलिए दोनों प्रमुख राजनीतिक दल - भाजपा और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। जिन आठ सीटों पर सोमवार को मतदान होना है, ये सभी इस समय भाजपा के कब्जे में है। भाजपा जहां अपनी बढ़त बनाए रखना चाहती है, वहीं कांग्रेस यहां सेंधमारी करने के लिए जोर लगा रही है।एक तरफ जहां भाजपा ने अपनी पूरी टीम को मैदान में उतार दिया है तो दूसरी ओर कांग्रेस भी प्रचार अभियान में पीछे नहीं है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव के अलावा अन्य नेता चुनाव प्रचार अभियान में लगे हुए हैं। निमाड़-मालवा इलाके की इन 8 सीटों पर शनिवार की शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा। इससे पहले दोनों ही दलों के बड़े नेता अंतिम दांव चलने की तैयारी में हैं। भाजपा की ओर से चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय सहित कई अन्य नेता बैठकें, सभाएं और कार्यकर्ता सम्मेलन से लेकर रोड शो तक कर रहे हैं। कोई हेलीकॉप्टर से उड़ान भर रहा है तो कोई सड़क नाप रहा है।

सावधान! ....तो आपका मोबाइल हो सकता है ब्लॉक

- 20 लाख कनेक्शनों का होगा वेरिफिकेशन, सरकार ने दिए निर्देश

नई दिल्ली।

मोबाइल यूजरों को केंद्र सरकार से लग सकता है झटका क्योंकि सरकार ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है साथ ही टेलीकॉम कंपनियों से इन हैंडसेट से जुड़े 20 लाख मोबाइल नंबरों को फिर से वेरिफाई करने के लिए भी कहा है। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि साइबर क्राइम और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मोबाइल फोन के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए टेलीकॉम डिपार्डमेंट, गृह मंत्रालय और राज्यों की पुलिस मिलकर काम कर रहे हैं। टेलीकॉम मिनिस्ट्री ने कहा कि इन विभागों के एक साथ काम करने का मकसद साइबर क्राइम के जरिए धोखेबाजों के नेटवर्क पर रोक लगाना है जिससे कि लोगों को डिजिटल खतरों से बचाया जा सके। गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला है कि साइबर क्राइम में 28,200 मोबाइल हैंडसेट का गलत इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद ही केंद्र सरकार ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को 28,200 मोबाइल फोन को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। साथ ही इन हैंडसेट्स से जुड़े 20 लाख मोबाइल नंबरों का फिर से वेरिफिकेशन करने को भी कहा है।

टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने सभी टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि अगर इन फोन नंबरों का वेरिफिकेशन नहीं होता है तो उन कनेक्शन को काट दिया जाए। एक आधिकारिक बयान से पता चला है कि टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने 7 मई को वित्तीय घोटाले में इस्तेमाल किए फोन नंबर का कनेक्शन काट दिया था और उन नंबर से जुड़े 20 मोबाइल फोन को भी ब्लॉक कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

बसपा इकलौती पार्टी जिसने चुनावी बांड से एक रुपये तक नहीं लिया: मायावती

कानपुर । मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए दावा किया कि इन पार्टियों ने अमीरों से पैसा लिया और उन पर उपकार किया जबकि बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसे चुनावी बांड के जरिये एक रुपये तक नहीं लिया। मायावती ने कानपुर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी कुलदीप भदौरिया और अकबरपुर सीट से राजेश द्विवेदी को चुनाव जिताने की अपील कर कहा कि विपक्षी पार्टियों ने अमीरों से पैसा लिया और उन पर उपकार किया, जबकि बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने चुनावी बांड के द्वारा एक रुपये भी नहीं लिया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया था। उन्होंने कहा कि बसपा पार्टी का जबसे गठन हुआ तब से यह पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से चल रही है। उन्होंने कहा, भाजपा पूंजीपतियों (धन्ना सेठों) की पार्टी बन गई है और मोदी सरकार ने गरीबों, दलितों और पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया। बसपा प्रमुख ने कहा, भाजपा ने खोखली गारंटी दी है। अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हुए तब उसके लिए केंद्र में सत्ता बरकरार रखना मुश्किल होगा। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर सभी संघीय जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। मायावती ने दावा किया कि सरकार ने पिछले एक साल में सरकारी नौकरियों में दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों का कोटा पूरा नहीं किया है। कानपुर और अकबरपुर लोकसभा सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा।

कांग्रेस पाकिस्तान से अपनी पार्टी का शुद्धिकरण करा ले: गिरिराज सिंह

बेगूसराय । बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले के राम मंदिर शुद्धिकरण वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है। गिरिराज सिंह ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान से अपनी पार्टी का शुद्धिकरण करा ले तो ज्यादा अच्छा होगा। नाम बदलकर मुस्लिम लीग कांग्रेस कर ले। वहीं अरविंद केजरीवाल की जमानत पर कहा कि सारे घोटालेबाज आएंगे एक साथ जुड़ेंगे। लेकिन जनता घोटालेबाजों को वोट नहीं देगी। सरकार बनाने के लिए जनता नरेंद्र मोदी को वोट देगी। नरेंद्र मोदी देश के लिए जरूरी हैं। नरेंद्र मोदी देश के गरीबों के मसीहा हैं। वह आने वाले दिनों में पूजे जाएंगे। राहुल गांधी और केजरीवाल जो करना है करें। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार, एनडीए की सरकार और नीतीश कुमार की सरकार सारे विकास के काम कर रही है, जो पुल चेरिया बरियारपुर में हो या जहां भी हो वह एनडीए ही बनाएगी। यह कम्युनिस्ट नहीं बन पाएगी। कम्युनिस्ट पार्टी तो लूट खसोट करने वाली है।

धूल भरी आंधी, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली । दिल्ली एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार की रात धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश हुई। इस दौरान पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। तेज आंधी से कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। तूफान के कारण अलग-अलग हादसों में कुल 23 लोग घायल हुए हैं। हवा की रफ्तार 50 से 70 किमी प्रति घंटा के बीच दर्ज की गई। दिल्ली एयरपोर्ट के सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के कारण 9 फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट किया गया है। सडकों पर पेड़ गिरने से दिल्ली और आसपास के इलाकों में यातायात भी प्रभावित हुआ है। पुलिस ने बताया कि उन्हें पेड़ गिरने से जुड़े 152, इमारतों को नुकसान पहुंचने से जुड़े 55 और पावर कट से जुड़े 202 कॉल रिसीव हुए हैं। आंधी और बारिश के बाद दिल्ली एनसीआर में बढ़ते तापमान से लोगों को राहत मिली है। शनिवार सुबह से मौसम सुहाना बना हुआ है। कुछ जगहों पर रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी भी जारी है।मौसम विभाग ने अगले 2 दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

एक्स ने भारत में 184,241 अकाउंट्स पर बैन लगाया

नई दिल्ली । एक्स कॉर्प ने 26 मार्च से 25 अप्रैल के बीच भारत में 184,241 अकाउंट्स पर बैन लगाया है। इसमें से ज्यादातर अकाउंट बाल यौन शोषण और गैर-सहमति नग्नता को बढ़ावा देने वाले थे। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,303 अकाउंट्स को हटा दिया है। कुल मिलाकर एक्स ने इस दौरान 185,544 अकाउंट्स पर बैन लगाया। एक्स ने नए आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा, एक्स ने अपने शिकायत निवारण तंत्र (ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म) के माध्यम से एक ही समय सीमा में भारत में यूजर्स से 18,562 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके अलावा, कंपनी ने 118 शिकायतों पर कार्रवाई की जो अकाउंट सस्पेंशन (निलंबन) के खिलाफ अपील कर रही थीं। कंपनी ने कहा, स्थिति की बारीकियों की समीक्षा करने के बाद हमने इनमें से चार अकाउंट्स के निलंबन को पलट दिया। हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अकाउंट्स के बारे में सामान्य सवालों से संबंधित 105 अनुरोध मिले। भारत से अधिकांश शिकायतें प्रतिबंध उल्लंघन (7,555), इसके बाद घृणित आचरण (3,353), संवेदनशील वयस्क सामग्री (3,335) और दुर्व्यवहार/उत्पीड़न (2,402) के बारे में थीं।

- योगी का सपा-राजद पर तंज

राम भक्तों पर गोली चलाते हैं और माफिया के मरने पर मातम मानते हैं

बेगूसराय ।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के बेगूसराय में कहा कि जो रामद्रोही है उनका पाकिस्तान प्रेम जग रहा है। योगी आदित्यनाथ बेगूसराय में भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह के चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन भारत विभाजन की नींव तैयार कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने कहा है कि धार्मिक आधार पर हिंदुस्तान में आरक्षण नहीं हो सकता है।

चौथे चरण के चुनाव प्रचार के आज अंतिम दिन योगी आदित्यनाथ आज बेगूसराय के फर्टिलाइजर मैदान में विपक्षी पार्टियों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, राम भक्त और रामद्रोही के बीच चुनाव जा चुका है, जो राम भक्त हैं वो आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चल रहे हैं, सबका साथ सबके विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जो रामद्रोही है उनका पाकिस्तान प्रेम जाग रहा है। राम भक्तों पर गोली चलाते हैं और माफिया के मरने पर मातम मानते हैं। राम भक्तों पर गोली चलाने वाले रामद्रोही सत्ता में जाएंगे क्या? उन्हें जाने का अधिकार होना चाहिए क्या? इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए कहा, बिहार में लालू जी के नेतृत्व में कांग्रेस और लालू जी के राज्य में बिहार में अराजकता चरम पर पहुंची थी, नक्सलवाद और आतंकवाद चरम पर था, गुंडागर्दी चरम पर थी।

उन्होंने कहा, कांग्रेस और राजद का गठबंधन भारत विभाजन की नींव तैयार कर रहा है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान में ओबीसी, एससी-एसटी के आरक्षण में सेंध लगाने की तैयारी कर रहा है और यह छूट इन्हें कतई मत देना क्योंकि बाबासाहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि धार्मिक आधार पर हिंदुस्तान में आरक्षण नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है अगर वह सत्ता में आएगी तो अल्पसंख्यकों की रुचि के अनुसार उन्हें खान-पान की स्वतंत्रता देगी। उन्होंने कहा कि क्या गौ मांस खाने और काटने की अनुमति देनी चाहिए क्या?। कांग्रेस और राजद की मंशा स्वीकार नहीं होगी।

शाह का केजरीवाल पर तंज, मोदी जी की चिंता ना करे.....तीसरी बार 400 पार

एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण पर डाका डाल रही कांग्रेस

हैदराबाद ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के बयान पर पलटवार कर कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने वाले है। मोदी के 75 साल के होने पर केजरीवाल को चिंता करने की जरुरत नहीं है। दरअसल केजरीवाल ने बड़ा दावा करते हुए कहा था कि मोदी जी अमित शाह को पीएम बनाना चाहते हैं। मोदी जी शाह के लिए वोट मांग रहे हैं। जो मोदी जी के नाम पर वोट दे रहे हैं, वे ये सोच लें कि वे शाह के नाम पर वोट दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, तीन चरण में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब पहुंच गए हैं। चौथा चरण एनडीए के लिए बहुत अच्छा है। तीनों चरणों से अधिक सफलता हमें चौथे चरण में मिलेगी... चौथे चरण में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का भी मतदान है। दोनों राज्यों में एनडीए और भाजपा पूरी तरह से सफाई करने जा रही है...4 जून को परिणाम आने पर दक्षिण भारत के कर्नाटक, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर उभरेगा... तेलंगाना में भाजपा 10 से ज्यादा सीटें जीतकर आएगी। शाह ने कहा, ...बीआरएस और कांग्रेस पार्टी वोट बैंक की राजनीति और भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। परिवारवाद, भ्रष्टाचार, खराब शासन और तुष्टीकरण, इन चारों नासूरों ने तेलंगाना की जनता को बड़ा परेशान किया हुआ है... सरकार किसी की भी रही हो, सरकार का स्टीयरिंग व्हील हमेशा असदुद्दीन ओवैसी के हाथों में रहा है... ये लोग सीएए का विरोध करते हैं, 370 हटाने का विरोध करते हैं, सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करते हैं... सबसे बड़ी बात, जो पूरे देश और विशेषकर एससी-एसटी और ओबीसी के लिए हानिकारक है, ये 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण तेलंगाना में लाए हैं... जब भी भाजपा की सरकार यहां(तेलंगाना) आएगी तब हम यहां से मुस्लिम आरक्षण को समाप्त कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

श्री गुरुकृपा विद्यासंकुल के कक्षा 10 के कुल 25 छात्र A1 ग्रेड और 100 छात्र A2 ग्रेड के साथ हुए उत्तीर्ण

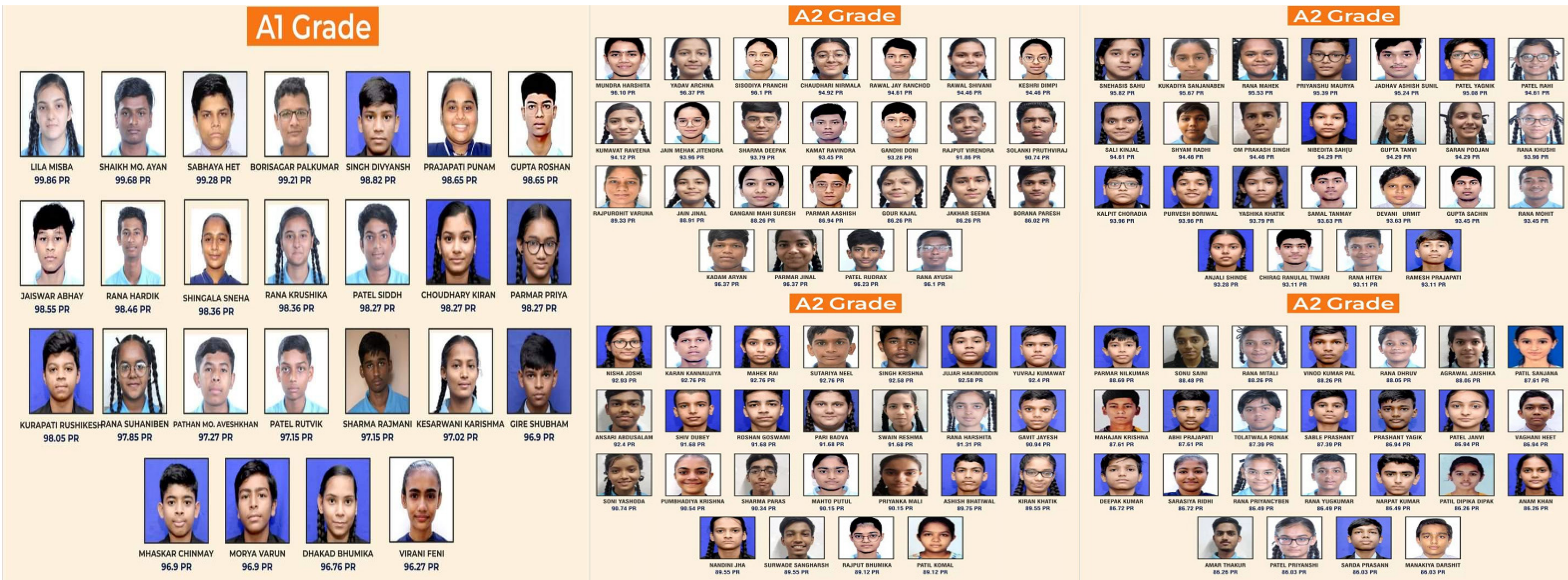

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर के उधना में स्थित श्री गुरुकृपा विद्यासंकुल (गुजरात बोर्ड) की कक्षा-10 का परिणाम घोषित होने पर विद्यासंकुल में हर्ष और उल्लास की लहर दौड़ गई है. गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गांधीनगर द्वारा लिए गए मार्च-2024 कक्षा 10 के परिणाम घोषित हुए, कुल 25 छात्र A1 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण हुए हैं और कुल 100 छात्र A2 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण हुए हैं. जिसमें A1 ग्रेड के साथ लीला मिस्बा (99.86 PR), शेख मोहम्मद अयान (99.68 PR), सभाया हेत (99.28 PR), बोरीसागर पालकुमार (99.21 PR), सिंध दिव्यांश (98.82 PR), प्रजापति पूनम (98.65 PR), गुप्ता रोशनकुमार (98.65 PR), जयसवाल अभय (98.55 PR), राणा हार्दिक (98.46 PR), सिंघला स्नेहा (98.36 PR), राणा कृषक (98.36 PR), पटेल सिद्ध (98.27 PR), चौधरी किरण (98.27 PR), परमार प्रिया (98.27 PR), कुरपति रुशिकेश (98.05 PR), राणा सुहानी (97.85 PR), पठान मोहम्मद अवेश खान (97.27 PR), पटेल ऋत्विक कुमार (97.15 PR), शर्मा राजमणि (97.15 PR), केशरवानी करिश्मा (97.02 PR), गेरे शुभम (96.09 PR), मास्कर चिन्मय (96.09 PR), मौर्य वरुण (96.09 PR), धाकड़ भूमिका (96.76 PR), विरानी फेनी (96.27 PR) जबकि कुल 100 छात्र A2 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण हुए. विद्यालय के चेयरमैन मुकेश पटेल, समस्त विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं ट्रस्टीगण ने सभी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई दी.

भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित गुरुकुल विद्यापीठ के कक्षा 10वीं के 30 विद्यार्थियों ने A1 ग्रेड और 42 विद्यार्थियों ने A2 ग्रेड किया हासिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित गुरुकुल विद्यापीठ न. व्र. धमणवाला गुजराती माध्यम स्कूल के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में कक्षा 10वीं में पढ़ाई करते कुल 162 विद्यार्थियों में से 30 विद्यार्थियों ने A1 ग्रेड और 42 विद्यार्थियों ने A2 ग्रेड हासिल किया है. विद्यालय का कुल परिणाम 96.30 प्रतिशत रहा. जिसमें दो विद्यार्थी A1 ग्रेड में प्रथम स्थान पर रहे. (1) गेडिया जिगर सुनील(99.83 PR) (2) घणगण मोहित गोपाई (99.83 PR), दूसरी स्थान पर प्रजापति मीत भावेश (99.72 PR), तीसरी स्थान पर दो छात्र (1) पटेल ध्रुमी विपुलकुमार (99.59 PR) (2) अमीपरा किशन अशोक (99.59 PR) आए हुए है. सभी विद्यार्थियों ने अपने सर्वोत्तम परिणाम का श्रेय विद्यालय के अध्यक्ष स्वामी अम्बरीषानंद एवं विद्यालय की प्राचार्या पारुल यज्ञेशकुमार मजमुदार एवं विद्यालय के शिक्षको को दिया है. जो विद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है.

हाथ खोने के बाद केवल अपने अंगूठे की मदद से A1 ग्रेड किया प्राप्त

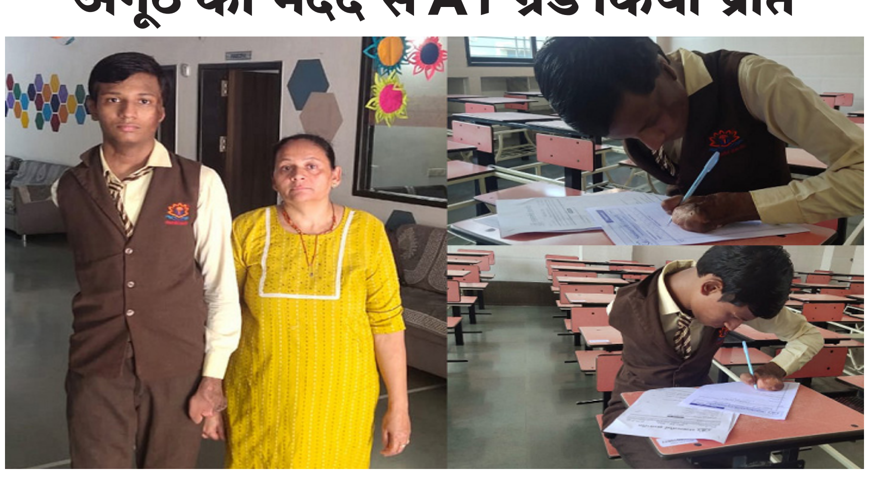

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के संस्कारतीर्थ ज्ञानपीठ स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले विकलांग छात्र सोडवाडिया मितवा भरत ने 95.83 पर्सन टाइल के साथ A1 ग्रेड हासिल किया है. 2013 में खेलते समय मितवा को करंट लग गया था. जिसके कारण उनका दाहिना हाथ काटना पड़ा था. इतना ही नहीं बाएं हाथ की चार उंगलियां भी काटनी पड़ीं थी. हीरे की फैक्ट्री में काम करने वाले अपने पिता और परिवार में अपनी मां की प्रेरणा से उन्होंने अपने मन को मजबूत किया. और 10वीं कक्षा में स्कूल के उचित मार्गदर्शन और अपने दृढ़ संकल्प से उन्होंने A1 ग्रेड हासिल किया. मितवा ने इस सफलता की इबारत बिना किसी स्क्रिप्ट के खुद पेपर लिखकर प्राप्त की है. उन्होंने कहा की मैं पहले से ही बाएं हाथ का था और मेरा बायां हाथ सुरक्षित था लेकिन उंगलियां नहीं थीं इसलिए लिखना मुश्किल था. चूँकि 10वीं कक्षा में गति की आवश्यकता होती है, इसलिए पूरे वर्ष अपनी गति बढ़ाने के लिए प्रतिदिन दो घंटे लिखता था. अब मैं कड़ी मेहनत कर कलेक्टर बनना चाहता है.